सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-124 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 24 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

"उन यादों को सहेजिए जो आंखों में चमक पैदा करें...उन्हें नहीं ... जो चेहरे पर शिकन लाए..."

अज्ञात...

90 साल की सास को पीठ पर लाद 9 किमी पैदल चली बहू, पेंशन के लिए मजबूरी

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

मैनपाट के वनांचल से सरकारी दावों की हकीकत दिखाती तस्वीर सामने आई है। यहां एक बहू को अपनी 90 वर्षीय सास की पेंशन के लिए उन्हें पीठ पर लादकर 9 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। तपती धूप और पथरीले रास्तों से गुजरकर वह नमर्दापुर सेंट्रल बैंक पहुंचीं।

कई महीनों से जारी है सिलसिला

यह मामला मैनपाट ब्लॉक के ग्राम कुनिया जंगलपारा का है। सुखमनिया बाई अपनी 90 वर्षीय सास को पिछले कई महीनों से इसी तरह पीठ पर ढोकर बैंक ला रही हैं। बैंक के नियमानुसार पेंशन के लिए लाभार्थी का खुद उपस्थित होकर फिंगरप्रिंट या भौतिक सत्यापन कराना जरूरी है। इसी कड़े नियम के कारण बहू को हर महीने लाचार सास को पीठ पर बैठाकर नदी-नाले और दुर्गम रास्ते पार करने पड़ रहे हैं।

मैनपाट में भौतिक सत्यापन का नियम बना मुसीबत, नदी-नाले पार कर पहुंची बैंक

डिजिटल इंडिया के दावे पर सवाल

एक तरफ सरकार डिजिटल इंडिया और घर-पहुंच सेवा के दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ मैनपाट के दूरस्थ क्षेत्र से आई यह तस्वीर प्रशासनिक संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि 90 साल की बुजुर्ग महिला के लिए बैंक तक आना बेहद मुश्किल है। ऐसे मामलों में नियमों में ढील दी जानी चाहिए या घर पर सत्यापन की व्यवस्था होनी चाहिए।

फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी

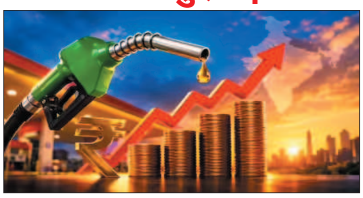

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-दिल्ली

मिडिल-ईस्ट तनाव के बीच भारत में आम जनता की जेब पर महंगाई का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। शनिवार को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है।

पिछले 10 दिनों में ये तीसरी बार है जब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमत 3-3 रुपए बढ़ाई गई थी। फिर 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे महंगा हुआ था। इस तरह पिछले 10 दिनों में पेट्रोल-डीजल लगभग 5 रुपए महंगा हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे बढ़कर 98.64 रुपये प्रति लीटर से 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल की कीमत 91 पैसे बढ़कर 91 ।58 रुपये से 92 ।49 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

हैरत की बात ये है कि हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आम जनता को भरोसा दिलाया था कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कहा, 'पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और सप्लाई पूरी तरह से स्थिर बनी हुई है। हम सभी नागरिकों को सलाह देते हैं कि वो किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और पैनिक बाइंग से बचें। नागरिक सिर्फ अपनी जरूरत के मुताबिक ही ईंधन खरीदें।'

मंत्रालय ने आगे कहा, 'कुछ चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर जो अस्थायी दबाव या भीड़ देखी जा रही है, उसे दूर किया जा रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां लगातार सप्लाई की निगरानी कर रही हैं और आपसी तालमेल के साथ तेल का वितरण सुनिश्चित कर रही हैं।'

दुर्ग के दांडेसरा में पानी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

डंडे-रॉड और कुल्हाड़ी से हमला, 8 लोग गंभीर घायल, जिला अस्पताल में भर्ती; गांव में तनाव, पुलिस तैनात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग के ग्राम दांडेसरा में पानी को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। डंडे, रॉड और कुल्हाड़ी से हुए हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 8 लोगों को नाजुक हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में घायलों के पहुंचने का सिलसिला जारी है।

यह पूरा मामला जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र का है। विवाद के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जेवरा पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खूनी संघर्ष के बाद गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों के घायलों का इलाज चल रहा है। हमले में इस्तेमाल हथियार जब्त करने और आरोपियों की पहचान की कार्रवाई की जा रही है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सड़क हादसे में बीजेपी नेता सहित 2 की मौत

रायपुर। धमतरी और सरगुजा में सड़क हादसे हुए है। सरगुजा में भाजपा बूथ अध्यक्ष को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया, जबकि धमतरी में राइस मिल से काम कर लौट रहे एक कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। सरगुजा जिले के एनएच-43 स्थित बतौली क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने भाजपा बूथ अध्यक्ष शिव मंगल दास को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा शांतिपारा मुख्य मार्ग पर हुआ, जहां वाहन चालक उन्हें करीब 20 मीटर तक घसीटते हुए मौके से फरार हो गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही 112 बतौली की टीम मौके पर पहुंची और घायल शिव मंगल दास को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली पहुंचाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

लू से पहली मौत, बुजुर्ग ने तोड़ा दम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में गर्मी का असर लगातार तेज बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना जताई है। वहीं प्रदेशभर में तापमान लगभग इसी स्तर पर बने रहने के आसार हैं। इस बीच बिलासपुर में लू लगने से एक बुजुर्ग की मौत होने की आशंका है। जोंधरा गांव में 75 वर्षीय बुजुर्ग का शव बाजार में जूता दुकान के बाहर मिला।

बताया जा रहा है कि वह पिछले दो महीने से गांव में भीख मांगकर गुजर-बसर कर रहा था। पिछले दो दिनों से बीमार था और भीषण गर्मी के बीच बाजार के आसपास ही पड़ा रहता था। इधर, विशेषज्ञों ने सुबह 11 से 12 बजे के बीच घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। इस दौरान प्रदेश में वश रेज की तीव्रता एक्सट्रीम लेवल पर रहने की संभावना है। यानी सीधे धूप के संपर्क में आने पर त्वचा और आंखों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। मेकाहारा के डर्मेटोलॉजी विभाग के लडऊ डॉ. मृत्युंजय सिंह ने बताया कि ऐसी स्थिति में कुछ ही मिनटों में सनबर्न, आंखों में जलन, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

निरंतर जनसेवा की मिसाल पेश कर रही सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई

निशुल्क एंबुलेंस, शव वाहन से लेकर बच्चों की पढ़ाई और बेटियों के विवाह तक कर रही मदद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई द्वारा लगातार जनसेवा के कार्य किए जा रहे हैं। अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन में समिति जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कई तरह की निशुल्क सेवाएं दे रही है। समिति निशुल्क एंबुलेंस सेवा और निशुल्क शव वाहन सेवा चला रही है। लावारिस मृतकों का अंतिम संस्कार भी समिति कराती है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी बच्चों की पढ़ाई में मदद की जा रही है, ताकि आर्थिक तंगी से किसी बच्चे की शिक्षा न रुके।

महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ रही

घर बैठी माताओं और बहनों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का काम भी किया जा रहा है। इससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें। समिति जरूरतमंद परिवारों की बहन-बेटियों के विवाह में भी सहयोग करती है, जिससे कठिन समय में परिवारों को सहारा मिल सके।

ग्रामीणों की मांग पर तांदुला जलाशय से नदी और नहरों में छोड़ा गया पानी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भीषण गर्मी और पेयजल की समस्या को देखते हुए सुशासन तिहार के दौरान ग्रामीणों की मांग पर त्वरित कारर्वाई करते हुए बालोद जिला प्रशासन ने तांदुला जलाशय से नदी और स्थानीय नहरों में पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। इससे ग्राम गुरेदा एवं आसपास के कई ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि विगत 18 मई 2026 को ग्राम गुरेदा में सुशासन तिहार के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में ग्राम गुरेदा सहित आसपास के कई गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे थे। ग्रामीणों ने भीषण गर्मी के कारण हो रही पानी की किल्लत का हवाला देते हुए तांदुला नदी में पानी छोड़ने के लिए आवेदन सौंपा था। ग्रामीणों की समस्या के त्वरित निराकरण हेतु दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर और कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मौके पर ही जल संसाधन विभाग के अधिकारी को तांदुला जलाशय से पानी छोड़ने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में निस्तार और पानी उपलब्ध हो सके।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता पीयुष देवांगन ने बताया कि निर्देश के परिपालन में तत्परता दिखाते हुए 20 मई 2026 को तांदुला जलाशय से पानी छोड़ना प्रारंभ कर दिया गया है, इससे तांदुला नदी में स्केप के माध्यम से तथा गुण्डरदेही वितरक शाखा नहर के जरिए भी पानी की सप्लाई शुरू कर दी गई है।

रिश्तों का कत्ल : पहले बच्चों को सुलाया मौत की नींद, फिर पति-पत्नी ने लगा ली फांसी

सुसाइड नोट में पत्नी का दर्द- ह्यपति की बेवफाई ने तोड़ दिया, 4 मौतों से दहला दुर्ग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मोहन नगर थाना क्षेत्र के आर्य नगर में शुक्रवार की सुबह एक घर से चार अर्थियां एक साथ उठीं तो पूरे मोहल्ले की आंखें नम हो गईं। एक दिन पहले तक चौपाटी पर आइसक्रीम खाते-हंसते दिखे इस परिवार ने रात में ऐसा खौफनाक कदम उठाया कि सुनने वालों के रोंगटे खड़े हो गए। पति-पत्नी ने पहले अपनी 13 साल की बेटी दृष्टि और 11 साल के बेटे यशांत को हमेशा के लिए सुला दिया, फिर दोनों ने अलग-अलग कमरों में फांसी लगाकर जान दे दी। घर में पसरा सन्नाटा सुबह तब टूटा जब बुजुर्ग मां ने कमरे का दरवाजा खोला। अंदर का मंजर देख उनकी चीख पूरे घर में गूंज गई।

मृतकों की पहचान गोविंद साहू (45), पत्नी चंचल साहू

(40), बेटी दृष्टि और बेटे यशांत के रूप में हुई। पुलिस को मौके से चंचल का दो पेज का सुसाइड नोट मिला। नोट की हर लाइन में टूटे भरोसे और बिखरते रिश्ते का दर्द छलक रहा था। चंचल ने लिखा- शादी के कुछ साल बाद से ही इसने बेवफाई की हद पार कर दी थी। जगह-जगह मुंह मारता फिरता था। रोज-रोज के झगड़े से तंग आ चुकी थी। नोट में उसने यह भी लिखा कि ह्यबच्चों को मैंने पैदा किया है, इसलिए साथ लेकर जा रही हूं।

प्लानिंग से रची गई मौत की पटकथा

पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने से पहले परिवार तिरुपति बालाजी दर्शन करके लौटा था। गुरुवार शाम को पति-पत्नी बच्चों को चौपाटी घुमाने ले गए। वहां खुशी-खुशी आइसक्रीम खिलाई, लेमन सोडा पिलाया। पड़ोसियों ने बताया कि परिवार बेहद खुश नजर आ रहा था। लेकिन घर लौटते ही कहानी बदल गई। एएसपी (सिटी) सुखनंदन राठौर के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि चंचल ने पहले बच्चों को नींद की दवा देकर सुलाया, फिर उनका गला घोंटा। बच्चों के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं। इसके बाद पति-पत्नी ने अलग-अलग कमरों में फांसी लगा ली। पुलिस को जानकारी मिली है कि घटना के वक्त गोविंद भारी नशे में था।

एक मां का टूटा भरोसा ले गया चार जानें

पुलिस मान रही है कि चंचल कई दिनों से मानसिक तनाव में थी। पति के अवैध संबंधों और घरेलू विवाद ने उसे इस कदर तोड़ दिया कि उसने मौत को गले लगाना बेहतर समझा। लेकिन जाते-जाते वह अपने कलेजे के टुकड़ों को भी साथ ले गई। एक ही झटके में पूरा परिवार खत्म हो गया। घर के बाहर जुटी भीड़ में हर आंख नम थी और हर जुबां पर एक ही सवाल- आखिर रिश्तों में इतनी कड़वाहट क्यों भर गई कि हंसता-खेलता परिवार उजड़ गया? मोहन नगर थाने में मातम पसरा है और जांच जारी है।

मणिपुर में महिला की हत्या का हुआ खुलासा, 24 घंटे में पति गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

मणिपुर पुलिस ने हत्या के मामले में त्वरित कारर्वाई करते हुए रिपोर्ट दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला ट्रांसपोर्ट नगर का है, जहां सुखमनिया नाम की महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी।

प्रार्थी कैलाश राम निवासी कुरहटेपना, बगीचा जिला जशपुर ने 19 मई को थाना मणिपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसकी चचेरी बहन सुखमनिया ट्रांसपोर्ट नगर में पति जमुना चिकवा के साथ रहती थी। पड़ोसियों से मौत की सूचना मिलने पर जब वह अम्बिकापुर पहुंचा तो सुखमनिया के पैर, कमर और पीठ पर डंडे से चोट के निशान मिले। उसने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या की आशंका जताई। रिपोर्ट पर थाना मणिपुर में अपराध क्रमांक 101/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के मार्गदर्शन में मणिपुर थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उसे हिरासत में लिया।

महाराजा चौक से बोरसी तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज, सड़क चौड़ीकरण का रास्ता साफ

फोरलेन सड़क निर्माण और पाइपलाइन शिफ्टिंग को लेकर प्रशासन सख्त, 200 से अधिक अतिक्रमण चिन्हित, निगम ने दी सख्त चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर निगम प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा शहर के महत्वपूर्ण महाराजा चौक से बोरसी मार्ग तक सड़क चौड़ीकरण और प्रस्तावित निर्माण कार्यों को लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार तेज कर दी गई है। निगम और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर बाधक निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

महाराजा चौक से बोरसी मार्ग चौड़ीकरण तथा मिनीमाता चौक पुलगांव से जेल तिराहा चौक तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण एवं पाइपलाइन शिफ्टिंग कार्य को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। लगातार निरीक्षण और कार्रवाई का असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। कई स्थानों पर अतिक्रमणकर्ता स्वयं आगे आकर अपने कब्जे और निर्माण हटाने लगे हैं, जिससे सड़क चौड़ीकरण कार्य में तेजी आने की संभावना बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार सड़क चौड़ीकरण क्षेत्र में लगभग 200 से अधिक व्यक्तियों द्वारा स्थायी एवं अस्थायी रूप से दुकान, बाउंड्रीवाल, पक्के निर्माण, शेड एवं अन्य निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था, जिससे प्रस्तावित विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। प्रशासन द्वारा इन बाधक निर्माणों को हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। कार्रवाई के दौरान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार प्रफुल गुप्ता, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, उप अभियंता विनोद मांझी, उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर ए.के. यदु, विकास चन्द्राकर, स्थल सहायक माणिककांत सिन्हा, ईश्वर वर्मा, एआरआई प्रतिभा दिल्लीवार, पद्मनाभपुर थाना टीआई सहित पुलिस एवं निगम अमला उपस्थित रहा।

अतिक्रमण दल के प्रभारी सहायक अभियंता गिरीश दीवान ने बताया कि महाराजा चौक से बोरसी तथा महाराजा चौक से मिनी माता चौक तक लगातार निरीक्षण कर बाधक अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां लोग स्वयं अतिक्रमण हटा रहे हैं, वहीं आवश्यक स्थानों पर निगम द्वारा जेसीबी की सहायता से निर्माण हटाया जा रहा है।

नगर निगम प्रशासन ने संबंधित लोगों से अपील करते हुए कहा है कि कार्रवाई के दौरान होने वाले नुकसान के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होंगे। सड़क चौड़ीकरण एवं विकास कार्यों को लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

खास खबर

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों का नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व दवा वितरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा रवाना हुए 1000 से अधिक तीर्थयात्रियों के लिए भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ, जिला दुर्ग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों एवं ओआरएस का वितरण किया गया।

इस सेवा कार्य में डॉ. अखिलेश राय, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. सुनील साहू, डॉ. अजय गजेंद्र, डॉ. अंशुल मोदी, डॉ. आदर्श त्रिवेदी (संयोजक) तथा डॉ. पी. एल. साव (सह संयोजक) ने सक्रिय सहभागिता निभाई। यह आयोजन डॉ. मनोज दानी, सीएमओ दुर्ग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान तीर्थयात्रियों को गायत्री परिवार की पाक्षिक पत्रिका प्रज्ञा अभियान का भी वितरण किया गया। यात्रा प्रारंभ होने के समय यात्रियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और जय श्री राम के नारों के साथ श्रद्धालु अपनी तीर्थ यात्रा पर रवाना हुए। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की यात्रियों एवं उपस्थित लोगों ने सराहना की।

लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व, व्यापारी कल्याण बोर्ड गठन पर जोर

दुर्ग। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय उद्योग मंडल के राष्ट्रीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ प्रांत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के व्यापारी जुटान जिला प्रमुख आशीष निमजे ने सहभागिता दी। प्रांतीय टोली के समक्ष अपने अनुभव साझा करते हुए आशीष निमजे ने बताया कि देशभर के सभी राज्यों में व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 7 राज्यों में बोर्ड का गठन हो चुका है तथा शेष राज्यों में भी शीघ्र गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि व्यापारी जुटान को अब स्वदेशी व्यापारी मंच के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रांत में भी व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन को लेकर प्रांतीय टोली के साथ लगातार चर्चा चल रही है।

सम्मेलन में व्यापारियों की भूमिका और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विशेष चर्चा हुई। निमजे ने कहा कि जिस प्रकार राष्ट्रहित में तैनात जवानों के प्रति समाज सम्मान की भावना रखता है, उसी प्रकार व्यापारी वर्ग के प्रति भी आदर और सम्मान का भाव होना चाहिए, क्योंकि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। राष्ट्रीय अधिवेशन में ई-कॉमर्स व्यवस्था में सुधार, स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने तथा व्यापारियों को निर्यातक के रूप में विकसित करने के विषय पर भी मंथन किया गया। इस दिशा में देशभर के प्रत्येक जिलों में कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सम्मेलन में राष्ट्रीय संघटक कश्मीरी लाल, सह संघटक सतीश कुमार, व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंघवी एवं राष्ट्रीय संयोजक पी.सी. भारतीया का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

भाजपा राज में जनता परेशान,जनता के मुद्दों को लेकर आयुक्त के पास पहुँचे अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग से विधायक रहे अरुण वोरा ने नगर निगम आयुक्त से मुलाकात कर शहर की गंभीर जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की और तत्काल समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच दुर्ग शहर पानी और बिजली की समस्या से जूझ रहा है, लेकिन शासन-प्रशासन पूरी तरह उदासीन बना हुआ है।

वोरा ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि चार लाख लोगों की प्यास बुझाने वाली विशाल शिवनाथ नदी होने के बावजूद दुर्ग शहर में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है।दुर्ग शहर में लगभग 60 बड़े वार्ड हैं, मात्र 15 टैंकरों के भरोसे पूरे शहर की जलापूर्ति कैसे की जा रही है, इसका जवाब प्रशासन ही दे सकता है। हालत यह है कि लोगों को कई बार गुहार लगाने के बाद टैंकर पहुंच पा रहे हैं। पिछले डेढ़ महीने से हरिनगर वार्ड क्रमांक 59 सहित कई क्षेत्रों में लोग पानी की भारी किल्लत झेल रहे हैं। आम नागरिक अपनी दैनिक दिनचर्या तक नहीं चला पा रहे हैं और पूरा जनजीवन प्रभावित हो चुका है।

उन्होंने कहा कि शहर के जिस भी वार्ड में जाइए, लोगों की एक ही शिकायत सुनने को मिलती है — भैया विकास तो होता रहेगा, लेकिन पहले हमें पानी चाहिए। भाजपा सरकार आने के बाद से लोगों को नियमित पानी नहीं मिल पा रहा है। नलों में पानी नहीं आ रहा, हैंडपंप खराब पड़े हैं और शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन किए जाने के बावजूद शासन-प्रशासन नहीं चेता।

उन्होंने अमृत मिशन योजना के तहत लगाए गए भागीरथी नल योजना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि उरला, पोटिया, बघेरा, कातुलबोड़ और सिकोला भाटा जैसे क्षेत्रों में लोगों ने शिकायत की कि जैसे ही पानी की सप्लाई शुरू होती है, बिजली गुल हो जाती है और पानी बंद होते ही बिजली वापस आ जाती है। इस बिजली की आग-मिचौली से जनता बेहद परेशान है। बघेरा क्षेत्र स्थित खिचरिया रेजीडेंसी में बिजली बाधित होने के कारण एक महिला लगभग दो घंटे तक लिफ्ट में फँसी रही। स्थानीय नागरिकों के अनुसार हर 3-4 दिन में इस प्रकार की घटनाएँ हो रही हैं, जिससे रहवासियों में भय का माहौल है।वोरा ने कहा कि भाजपा सरकार पर जनता ने जो विश्वास किया था, वह उस कसौटी पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।

अरुण वोरा ने आयुक्त से मांग की कि शहर में पानी और बिजली की समस्याओं का तत्काल स्थायी समाधान किया जाए, खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराई जाए, टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाए तथा लगातार हो रही बिजली कटौती पर रोक लगाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया जाए।

मोटरसाइकिल से निकले अरुण वोरा, तपती दोपहरी में बघेरा पहुंचे

भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रही पेयजल समस्या के बीच तपती दोपहरी में पार्षदों के साथ पूर्व विधायक अरुण वोरा बघेरा क्षेत्र पहुंचे और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने पेयजल संकट, अनियमित जल आपूर्ति और क्षेत्र की अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि वर्ष 2022 के बाद से पंप हाउस की सफाई नहीं हुई है, जिसके कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। साथ ही लोगों ने यह भी बताया कि मंगलवार से पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद है, जिससे क्षेत्र के रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच पानी नहीं मिलने से लोगों की दैनिक दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। अरुण वोरा ने कहा कि जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है और संबंधित विभाग को इस ओर तत्काल ध्यान देते हुए समस्या का शीघ्र समाधान करना चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

भारतीय ज्ञान परम्परा व मानसिक स्वास्थ्य सहित कई विषयों पर शिक्षकों का प्रशिक्षण कल से 13 जून तक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद संचालक रायपुर के निर्देशानुसार माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याताओं का प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग के प्राचार्य पी सी मरकले के मार्गदर्शन में 25 मई से 13 जून तक बालोद व दुर्ग जिले में चरणबद्ध एवं विषयवार आयोजित किया जा रहा है। जिसमें लगभग 2 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इनमें कला संकाय (भूगोल, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र), वाणिज्य संकाय भाषा समूह के अंतर्गत अंग्रेजी, संस्कृत, हिन्दी और कृषि समूह में कृषि विज्ञान के तत्व, पशुपालन और फसल उत्पादन इत्यादि विषयों का समावेश किया गया है। प्राचार्य मरकले ने बताया कि इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत 10 वीं और 12वी के परीक्षा परिणाम को मद्देनजर रखते हुए ब्लू प्रिंट पर आधारित प्रश्न निर्माण एवं प्रश्नों का विश्लेषण करना एवं अंकों का सम विभाजन,एनईपी/एससीएफ पर विस्तृत चर्चा डाइट के विषय विशेषज्ञों डॉ शिशिरकांत भट्टाचार्य, डॉ हेमंत साहू,डॉ नीलम दुबे, डॉ वन्दना सिंह, संध्या शर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर के द्वारा विषयानुसार किया जाएगा।

प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि यह प्रशिक्षण व्याख्याताओं/शिक्षकों के लिए कई मायनों मे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इस प्रशिक्षण में एससीईआरटी एवं डाइट द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स, डीआरजी/बीआरजी द्वारा प्रमुख मुद्दों भारतीय ज्ञान परम्परा, मानसिक स्वास्थ्य, आईसीटी एवं एआई, एनपीएसटी विद्यालयी संस्कृति अधिगम वातावरण का निर्माण एवं हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण देंगे।

सेजस विद्यालय आमापारा बालोद और दुर्ग जिले में 28 मई से 1 जून तक कला संकाय व कामर्स समूह के व्याख्याताओं का प्रशिक्षण कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई में डाइट द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसी तरह आगे चरणवार बालोद जिले में 3 जून से 7 जून तक कला संकाय व भाषा समूह और दुर्ग जिले में 9 जून से 13 जून तक भाषा समूह के व्याख्याताओं शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

निगम ने बकायादारों से की समय पर कर जमा करने की अपील

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया करों की वसूली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को जोन-2 वैशालीनगर क्षेत्र में 2 लाख 79 हजार रुपये की बकाया राशि जमा कराई गई। निगम प्रशासन के निर्देश पर विभिन्न जोन क्षेत्रों में टीम बकायादारों से संपर्क कर राशि जमा करा रही है। शेष बकायादारों को भी समय पर कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। निगम अधिकारियों ने बताया कि बकाया करों की वसूली से विकास और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि समय पर कर जमा कर निगम का सहयोग करें।

बारिश पूर्व तैयारियां तेज, महापौर व आयुक्त ने नाला सफाई कार्यों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आगामी बारिश को ध्यान में रखते हुए नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा शहर में जलभराव एवं जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों, निगम अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग एवं निगम अमले के साथ वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 क्षेत्र अंतर्गत उरला-बघेरा नाला पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि बारिश के समय नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए शहर के प्रमुख नालों की व्यापक सफाई, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने तथा जलभराव संभावित क्षेत्रों में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। शंकर नाला मुक्तिधाम के पीछे से प्रारंभ हुए सफाई अभियान के तहत शंकर नगर नाला से अंतिम छोर पटरी पार वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 तक युद्धस्तर पर सफाई कार्य कराया जा रहा है। साथ ही संभावित जलभराव क्षेत्रों की पहचान कर वहां आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त वार्ड क्रमांक 57 क्षेत्र में नाला किनारे अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर स्थल निरीक्षण के लिए भी पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने अवैध अतिक्रमण एवं नाला क्षेत्र के आसपास हो रहे निर्माण कार्यों पर सख्त रुख अपनाते हुए अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए।

वार्ड क्रमांक 57 अंतर्गत शंकर नगर नाला के अंतिम छोर पटरी पार बघेरा-उरला मार्ग क्षेत्र में चल रहे नाला सफाई कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों को सफाई कार्यों में गति बनाए रखने तथा बारिश पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, शेखर चंद्राकर, पार्षद सरस निर्मलकर, पार्षद रेशमा सोनकर, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा,भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दिवान, संजय ठाकुर,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, विनोद मांझी,मोहित मरकाम सहित निगम का अमला उपस्थित रहा।

फर्जी टैक्स वसूली पर लगेगी रोक, नगर पालिक निगम दुर्ग ने सहायक राजस्व निरीक्षकों को जारी किए पहचान पत्र

नई दृष्टिबिंदु / 0000

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा करदाताओं के हितों की सुरक्षा एवं फर्जी टैक्स वसूली की शिकायतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से राजस्व विभाग में कार्यरत सहायक राजस्व निरीक्षकों को आधिकारिक पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं। निगम प्रशासन की इस पहल से अब करदाता आसानी से निगम के अधिकृत कर्मचारियों की पहचान कर सकेंगे तथा फर्जी व्यक्तियों द्वारा टैक्स वसूली के नाम पर होने वाले फर्जीवाड़े पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा।

बैठक में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा कर संग्रहण कार्य में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा नियुक्त अधिकृत कर्मचारी ही टैक्स संग्रहण कार्य करेंगे और सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी कर दिए गए हैं।

बैठक में राजस्व अधिकारी आरके बोरकर सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि टैक्स भुगतान करने से पहले संबंधित कमर्चारी का पहचान पत्र अवश्य देखें और सत्यापन के बाद ही राशि जमा करें।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति बिना पहचान पत्र के टैक्स राशि की मांग करता है, तो उसकी जानकारी तत्काल संबंधित वार्ड पार्षद अथवा नगर निगम कार्यालय से सत्यापित करें। यदि मामला फर्जी पाए जाने की पुष्टि होती है तो तत्काल पुलिस को भी सूचना दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा, पारदर्शी कर व्यवस्था और फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए आगे भी आवश्यक कदम लगातार उठाए जाते रहेंगे। निगम प्रशासन द्वारा करदाताओं से अपील, अधिक से अधिक कर का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करें। नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर के समस्त करदाताओं से अपील की गई है कि वे करों का भुगतान अधिक से अधिक ऑनलाइन माध्यम से करें। ऑनलाइन भुगतान से समय की बचत होती है, पारदर्शिता बनी रहती है तथा करदाताओं को निगम कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था नागरिक सुविधाओं को सरल और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ऑनलाइन कर भुगतान व्यवस्था से नागरिक घर बैठे सुरक्षित रूप से भुगतान कर सकते हैं। ऑनलाइन भुगतान हेतु लिंक: https://municipalcorporation.in/ निगम प्रशासन ने नागरिकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर कर जमा कर नगर विकास में सहभागी बनने की अपील की है।

युवा किसान प्रसंग की सफलता : औरी गांव में आधुनिक पोल्ट्री फार्म का सफल संचालन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग जिले के औरी गांव में युवा किसान प्रसंग चंद्राकर पोल्ट्री व्यवसाय में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय की छात्रा कुसुम रेड्डी (बीएससी क्षि-एग्रीकल्चर जर्नलिज्म एवं बिहेवियरल स्किल) द्वारा मॉड्यूल (प्रैक्टिकल) के दौरान प्रसंग चंद्राकर से मुलाकात की और पोल्ट्री व्यवसाय की सफलता और इसे किस तरह डेवलप किया जाए इसकी जानकारी ली।

युवा किसान प्रसंग ने बताया कि उसने रायपुर से बी.कॉम और पुणे से पोल्ट्री डिप्लोमा करने के बाद वर्ष 2020 से 1 एकड़ भूमि पर ब्रॉयलर फार्मिंग शुरू की। पारिवारिक व्यवसाय से जुड़ाव और बचपन से रुचि होने के कारण उन्होंने इस क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने अपने फर्म में एनवायरमेंट कंट्रोल हाउस स्थापित किया है, जिससे तापमान और आद्रर्ता नियंत्रित कर उत्पादन में बेहतर परिणाम मिलते हैं। दैनिक प्रबंधन में फीड, पानी, तापमान और ह्यूमिडिटी का विशेष ध्यान रखा जाता है, जिसे वे सफलता की कुंजी मानते हैं।

प्रसंग अपने फार्म के लिए मक्का और सोयाबीन आधारित संतुलित फीड स्वयं तैयार करते हैं। वहीं उफ्फ़ न्यूकैसल डिजीज और क्ह्रऊ जैसी बीमारियों से बचाव के लिए वे नियमित टीकाकरण और सख्त बायो-सिक्योरिटी अपनाते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग में कुल लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा फीड पर खर्च होता है, लेकिन इसके बावजूद यह व्यवसाय हर साल लगभग 10न की दर से बढ़ रहा है। वे अपने उत्पादों की बिक्री स्थानीय बाजार के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी करते हैं। प्रसंग चंद्राकर का कहना है कि सही प्रबंधन, समय और समर्पण से पोल्ट्री फार्मिंग एक सफल और लाभदायक व्यवसाय बन सकता है।

सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही सरकार–प्रणव कुमार

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने लापरवाही पर दिखाई सख्ती, सरपंच–सचिव पर कार्रवाई के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में आयोजित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। इसी क्रम में मरवाही विकासखंड के खंता पंचायत अंतर्गत ग्राम सपनी में विशाल जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त किया।

शिविर में बगड़ी, बंधौरी, बरवासन, भस्कुरा, दर्री, धनपुर, डोंगरिया, गुदुमदेवरी, गुम्माटोला, खंता, कोटखर्रा, लटकोनीखुर्द, महोरा, मझगंवा, मसुरीखार, मेंदुका, पड़खुरी एवं पिपरिया पंचायतों के ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर में आवास, शौचालय, डबरी निर्माण, सीसी रोड, पशु शेड, राशन कार्ड तथा विभिन्न राजस्व मामलों से संबंधित मांग एवं शिकायत आवेदन प्राप्त हुए।

शिविर में विधायक प्रणव कुमार मरपची, कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा एवं उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक श्री मरपची ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम बंधौरी के वार्ड क्रमांक–10, ग्राम भस्कुरा मरघट के पास तथा ग्राम दर्री के स्कूल पारा में एक सप्ताह के भीतर नया हैंडपंप स्थापित करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए।

संवेदनशील सरकार गांव–गांव तक पहुंचा रही राहत

विधायक प्रणव कुमार मरपची ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य गांव के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ समाज के हर वर्ग की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों, महिलाओं, बच्चों एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ अब गांव स्तर पर सीधे लोगों तक पहुंच रहा है।

कलेक्टर ने दिखाई सख्ती, गलत प्रस्ताव पर कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने मंच से कुछ आवेदकों को बुलाकर उनके आवेदनों की स्थिति और समाधान की जानकारी दी। ग्राम पंचायत मगुरदा में एक जीवित व्यक्ति को मृत दर्शाकर फौती नामांतरण प्रस्ताव पारित किए जाने के मामले में उन्होंने गंभीर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यदि आवेदक तहसील कार्यालय के आदेश से संतुष्ट नहीं हैं तो एसडीएम कार्यालय में अपील कर सकते हैं और सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाएगा। साथ ही जिस पंचायत द्वारा गलत प्रस्ताव पारित किया गया, उस पंचायत के सरपंच और सचिव के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए गए।

बाल विवाह मुक्त समाज बनाने की दिलाई शपथ

कार्यक्रम के अंत में विधायक प्रणव कुमार मरपची ने उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह मुक्त जिला एवं प्रदेश बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक सहभागिता से ही समाज को कुरीतियों से मुक्त बनाया जा सकता है। सुशासन तिहार के इस शिविर ने एक बार फिर यह साबित किया कि सरकार और प्रशासन गांव–गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

खास खबर

सुशासन तिहार : स्वास्थ्य शिविर में मुख्यमंत्री साय ने हितग्राहियों को अपने हाथों से पहनाया नजर का चश्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं और सेवाओं की जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में मुख्यमंत्री ने 76 वर्षीय गोवर्धन ध्रुव, 65 वर्षीय श्रीमती अनुपकुंवर पाल तथा कक्षा छठवीं के छात्र संजय चक्रधारी एवं जयसेन को अपने हाथों से नजर का चश्मा पहनाया। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अब पढ़ने–लिखने और दैनिक कार्यों में काफी सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार और आवश्यक सहायता मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी ली। शिविर में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के तहत अनेक उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत प्रदान की गई। हितग्राहियों ने बताया कि योजना से उन्हें आर्थिक राहत मिली है और लंबित बिजली बिल की चिंता काफी हद तक कम हुई है।

बलौदाबाजार जिले के ग्राम बिटकुली निवासी आशाराम को 11 हजार 625 रुपये, बाबूलाल को 14 हजार 922 रुपये, जगदीश को 9 हजार 832 रुपये, श्रीमती बुधयारिन को 8 हजार 467 रुपये तथा चोवाराम को 13 हजार 325 रुपये की छूट प्राप्त हुई। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान बताया कि पहले बढ़े हुए बिजली बिल के कारण आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि अब वे बिना किसी अतिरिक्त बोझ के नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान कर पा रहे हैं।

स्वामित्व से संपत्ति का अधिकार, बिहान से आत्मनिर्भरता की राह : चौपाल में ग्रामीण विकास की दिखी तस्वीर

स्वामित्व योजना के पट्टे वितरित कर ग्रामीणों को दिया वैधानिक अधिकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आरंग विकासखंड के ग्राम कोसरंगी पहुंचकर ग्रामीण विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी प्रगति का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने चौपाल कार्यक्रम में स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को पट्टे वितरित कर उन्हें वैधानिक अधिकार प्रदान किए, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित आजीविका सेवा केंद्र का निरीक्षण कर महिलाओं की आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीणों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से आबादी भूमि और संपत्ति का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को अपनी जमीन और मकान पर कानूनी अधिकार प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल पट्टा वितरण नहीं, बल्कि ग्रामीणों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संपत्ति का वैधानिक अधिकार मिलने से ग्रामीणों को बैंक से ऋण लेने में सुविधा होगी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज सहजता से उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों में रहने वाले प्रत्येक परिवार को सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत छह हितग्राहियों को पट्टे वितरित किए। पट्टा प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों बाद उन्हें अपनी संपत्ति का वैधानिक अधिकार मिला है, जिससे भविष्य अधिक सुरक्षित हुआ है और योजनाओं का लाभ प्राप्त करना आसान होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके बाद ग्राम कोसरंगी में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत संचालित आजीविका सेवा केंद्र का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बिहान समूह से जुड़ी महिलाओं से आत्मीय संवाद करते हुए केंद्र की गतिविधियों, आय–व्यय तथा रोजगार सृजन से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती गीता वर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि केंद्र में हल्दी–मिर्ची प्रसंस्करण, गेहूं पिसाई, धान बीज क्रय–विक्रय सहित विभिन्न ग्रामीण आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे समूहों को नियमित आय प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बिहान जैसी पहलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ–साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रही हैं। उन्होंने समूह की महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए आजीविका गतिविधियों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन–प्रशासन गांव–गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि सरकार जनता के हित और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, संभागायुक्त श्याम धावड़े, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

चिरायु योजना से मिली नई जिंदगी : समीरा और नितिन ने मुख्यमंत्री को थैंक यू कार्ड देकर जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार के दौरान आज बलौदाबाजार–भाटापारा जिले के ग्राम करहीबाजार में एक भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब चिरायु योजना से लाभान्वित बच्चों समीरा जांगड़े और नितिन पटेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें थैंक यू कार्ड भेंट किया। बच्चों और उनके परिजनों ने निःशुल्क उपचार के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार को नई उम्मीद और बच्चों को नई जिंदगी दी है।

मुख्यमंत्री ने दोनों बच्चों से बातचीत की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरी सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि कोई भी परिवार आर्थिक अभाव के कारण उपचार से वंचित न रहे। श्री साय ने बच्चों को स्वस्थ जीवन और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए उनके परिवारजनों का भी उत्साहवर्धन किया।

उल्लेखनीय है कि विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंडरिया निवासी 6 वर्षीय नितिन पटेल तथा ग्राम लच्छनपुर निवासी 9 वर्षीय समीरा जांगड़े ने अपने माता–पिता के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उपचार के बाद जीवन में आए सकारात्मक बदलाव साझा किए। समीरा के पिता जीवन लाल जांगड़े ने बताया कि इलाज से पहले समीरा अत्यंत कमजोर रहती थी और स्कूल आने–जाने में भी सांस फूलने लगती थी। शिक्षकों की सलाह पर चिरायु टीम से संपर्क किया गया। टीम ने घर पहुंचकर जांच की और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की। इसके बाद 14 मई 2025 को रायपुर में सफल ऑपरेशन हुआ। इसी प्रकार नितिन पटेल का उपचार चिरायु योजना के माध्यम से 22 नवंबर 2025 को रायपुर में हुआ। परिजनों ने बताया कि जिस इलाज की कल्पना लाखों रुपये खर्च होने के कारण संभव नहीं लगती थी, वह चिरायु योजना के माध्यम से निःशुल्क और सहज रूप से संभव हो सका।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव रजत बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

कृषि महाविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस में व रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कृषि महाविद्यालय रायपुर के लिए यह दिन ऐतिहासिक तथा अविस्मरणीय रहा जब यहां इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य का संगम देखने को मिला। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिवार की तीन पीढ़ियां एकत्र हुई जिनमें कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता एवं प्राध्यापक, वर्तमान कुलपति, कुलसचिव एवं प्राध्यापकगण और वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थी सम्मिलित थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह, छात्र संघ शपथ ग्रहण, पूर्व अधिष्ठाता सम्मान तथा पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया जिसके तहत महाविद्यालय के प्रथम बैच के तीन विद्यार्थियों के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के

खास मुकाम हासिल करने वाले भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के सात पूर्व अधिष्ठाताओं और इसी महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, कुलसचिव तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का भी सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक रंगा–रंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शक–दीर्घा का मन मोह लिया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषक सभागार में आयोजित स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों को पद सन्निष्ठा एवं अनुशासन की शपथ दिलाई। एम.एससी. कृषि सांख्यिकी विभाग की छात्रा पुण्य श्री ने अध्यक्ष तथा बी.एससी. चतुर्थ वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया ने उपाध्यक्ष पद की शपथ ली। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित है सरकार– उपमुख्यमंत्री अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / 0000

उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव बेरला विकासखण्ड के आनंदगांव में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समय–सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने जन समस्या निवारण शिविर में कहा कि लोगों को अपने जायज कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, यह प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशीलता एवं सुशासन सरकार की कार्यशैली का प्रमुख आधार है तथा आमजनों के हितों की रक्षा के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने राजस्व, पेयजल, सड़क, बिजली तथा विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर आवेदन को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण किया जाए।

शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में चौमुखी विकास हो रहा है। सरकार द्वारा जनता के हित में लगातार बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विभिन्न योजनाओं के हितग्राही हुए लाभान्वित: उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शिविर में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत नोनी सुरक्षा योजना के तहत 5 बालिकाओं को पंजीयन पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा 8 गर्भवती माताओं की गोदभराई तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 3 हितग्राहियों को सुपोषण किट वितरित की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर 5 हितग्राहियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी गईं।

ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के लिए बड़ी सौगात

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं विधायक श्री दीपेश साहू की मांग पर विभिन्न विकास कार्यों हेतु राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने जामगांव एवं लावातरा में सीसी रोड निर्माण के लिए 10–10 लाख रुपए स्वीकृत किए। इसके अतिरिक्त ग्राम चेट में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपए, बारगांव में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपए, बारगांव में मुक्तिधाम निर्माण हेतु 6.25 लाख रुपए, सुरहोली में व्यवसायिक परिसर निर्माण हेतु 4.95 लाख रुपए तथा जमघट में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। इनके साथ ही उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकाय भिंभौरी, बेरला एवं कुसमी में विकास कार्यों के लिए 1–1 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। इन घोषणाओं से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी तथा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनसुविधाओं का विस्तार होगा।

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश : उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हाई स्कूल उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के दौर में पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है तथा यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए बीज पुंसवन अभियान का शुभारंभ किया। इस विशेष बीज पुंसवन को मिट्टी, गोबर एवं गोमूत्र के मिश्रण से तैयार किया गया है, जिसके भीतर बीज रखा गया है। बरसात के मौसम में इसे लगाने पर पौधा अंकुरित होगा। इस पहल से व्यापक स्तर पर पौधारोपण को बढ़ावा मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान गोश्वारा क्षेत्र में विभिन्न विभागों के अंतर्गत कुल 18 करोड़ 65 लाख 07 हजार रुपए की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग अंतर्गत 46.22 लाख रुपए की लागत से निर्मित 3 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत 12 करोड़ 87 लाख 80 हजार रुपए की लागत से निर्मित एक कार्य का लोकार्पण किया गया।

इसी प्रकार जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत 4 करोड़ 53 लाख 54 हजार रुपए की लागत से 4 कार्यों का भूमिपूजन तथा 77.51 लाख रुपए की लागत से 4 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस प्रकार कुल 7 कार्यों का भूमिपूजन एवं 5 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में पेयजल, आधारभूत संरचना एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सरकार जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का कर रही समाधान : बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सरकार जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने का कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

बेमेतरा की कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, एसएसपी रामकृष्ण साहू, छत्तीसगढ़ विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक और जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

संपादकीय

मां-बाप का हक

देखभाल करना नैतिक-कानूनी जिम्मेदारी

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं, तो यह बात शमर्सार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता।

भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं।

यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में मातृ देवो भव की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं ? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं।

दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है।

बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे।

यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता-पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कमलेश साहू

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए...। कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है- 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों-लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

संकट के समय फरिश्ता बनती है एक कॉल

हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर (Golden Hour) कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है।

जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) का कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस (GPS) ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं।

महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस

एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले श्री नितिन वर्मा बताते हैं, "मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफर कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं ? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था।"

सिर्फ हादसा नहीं, हर मुश्किल का हल है 1033

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो... तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

अनुभवों की जुबानी, संजीवनी की कहानी

रात के सन्नाटे में भारी ट्रक का टायर फटा, 1033 ने दी राहत

ट्रक ड्राइवर गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, "बात रात के करीब 09:45 बजे की है। मैं अपना भारी-भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा... ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो।"

जब जाम हो गया चक्का तो पेट्रोलिंग टीम ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिलासपुर-नागपुर रूट के मुसाफिर एस.पी. चौबे ने बताया, "हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर-बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल (RPV) टीम ने खुद देख लिया।

टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया।

भारी ट्रेलर का ब्रेक हुआ जाम, मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा

हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी-भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था।

सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ियों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई-प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

सरल, आसान और सुविधाजनक

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल-फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई-स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ-साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

नजरअंदाज करना जोखिम मोल लेना

चीन पर भारत की प्रमुख निर्भरता उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में है। इसका मतलब है कि भारत का कारखाना क्षेत्र चीन से आए पाट-पुर्जो और रासायनिक सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है। चीन पर भारत की कारोबारी निर्भरता चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। सवाल सिर्फ बढ़ते व्यापार घाटे का नहीं है, जो पिछले वित्त वर्ष में 112.16 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। उससे बड़ा मुद्दा भारतीय मैनुफैक्चरिंग की चीनी आपूर्ति शृंखला पर बढ़ी निर्भरता है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपने ताजा विश्लेषण में इस ओर ध्यान खींचा है कि 2025-26 में चीन से भारत का कुल आयात 131.63 बिलियन डॉलर का रहा, जिसमें 98.5 प्रतिशत हिस्सा औद्योगिक उत्पादों का था। भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 16 फीसदी तक पहुंच गया है, लेकिन सिर्फ औद्योगिक उत्पादों पर ध्यान दें, तो उसमें चीनी आयात का हिस्सा 30.8 फीसदी है।

इसके भीतर भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, कंप्यूटर और ऑर्गेनिक केमिकल्स पर गौर करें, तो भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 66 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से जाहिर है कि चीन पर भारत की प्रमुख निर्भरता उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में है। साधारण भाषा में इसका मतलब है कि भारत का कारखाना क्षेत्र चीन से आए पाट-पुर्जो और रासायनिक सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक पाट-पुर्जे, विद्युत वाहनों की बैटरियां, सोलर मॉड्यूल, औषधियों में इस्तेमाल होने वाले एपीआई, और खास रसायन शामिल हैं। किसी एक सप्लायर पर इतनी निर्भरता स्वस्थ स्थिति नहीं मानी जा सकती।

खास कर उस आपूर्तिकर्ता पर तो बिल्कुल नहीं, जिसके साथ संबंधों की पृष्ठभूमि में तनाव पलता- पनपता रहता है। भू-राजनीतिक या व्यापारिक प्रतिस्पर्धा संबंधी कारणों से यह तनाव कभी भी अनियंत्रित हो सकता है। फिलहाल सूरत यह है कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को अस्त-व्यस्त करने की हैसियत में है। अत: भारत के नीति-निर्माताओं को जीटीआरआई के इस सुझाव को गंभीरता से लेना चाहिए कि देश के अंदर क्षमता विकसित करना और आपूर्ति शृंखला को एक के बजाय अनेक स्रोतों से जोड़ना इस वक्त भारत के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती है। जीटीआरआई के मुताबिक किसी भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में किसी एक देश पर आयात निर्भरता 30 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। यह तार्किक सुझाव है, जिसे नजरअंदाज करना जोखिम मोल लेना होगा।

लू से हलकान जिंदगी

आपदा मानकर तैयारी बढ़ाने की जरूरत

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है।

स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है।

लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो ह्यरोज कुंआ खोदकर पानी पीने को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निर्धारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है, लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं।

देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए। ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। निस्संदेह, इस वर्गीकरण से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से मिलने वाले धन का उपयोग लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने में मदद देगा।

इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है। इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में अधिक मानवीय क्षति व आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

गंगा दशहरा : श्रद्धा, शुद्धि और सनातन परंपरा

महेन्द्र तिवारी (दिल्ली)

गंगा दशहरा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन माँ गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। भारत में गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि जीवन, आस्था, मोक्ष और संस्कृति की धारा मानी जाती है। करोड़ों लोगों की श्रद्धा गंगा से जुड़ी हुई है। भारतीय सभ्यता का विकास गंगा के तटों पर हुआ और आज भी गंगा भारतीय जनजीवन की आत्मा मानी जाती है। गंगा दशहरा का पर्व मनुष्य को केवल धार्मिक आस्था से नहीं जोड़ता बल्कि प्रकृति, जल और संस्कृति के महत्व का भी स्मरण कराता है।

अयोध्या के राजा सगर सूयर्वंश (इक्ष्वाकु वंश) के एक अत्यंत प्रतापी और शक्तिशाली चक्रवर्ती सम्राट थे। वे भगवान श्रीराम के पूर्वज थे। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार अयोध्या के राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ कराया था। उस यज्ञ का घोड़ा इंद्र के भय के कारण कपिल मुनि के आश्रम में पहुंच गया। राजा सगर के 60000 पुत्र घोड़े की खोज करते हुए वहाँ पहुंचे और उन्होंने कपिल मुनि पर चोरी का आरोप लगा दिया। उनके अपमान से क्रोधित होकर कपिल मुनि ने अपने तपोबल से सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। उन आत्माओं की मुक्ति तभी संभव थी जब स्वर्ग से गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि अवशेषों को स्पर्श करती। कई पीढ़ियों तक प्रयास चलता रहा, अंततः राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या करके ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया। ब्रह्मा जी ने गंगा को पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी लेकिन गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसे सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण किया और धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। इसी घटना की स्मृति में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है।

गंगा दशहरा का धार्मिक महत्व अत्यंत व्यापक है। यह माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के 10 प्रकार के पापों का नाश होता है। दशमी तिथि होने के कारण इसे दशहरा कहा जाता है। धर्मग्रंथों में बताया गया है कि मनुष्य के 10 प्रकार के पाप होते हैं जिनमें 3 शरीर से, 4 वाणी से और 3 मन से किए जाते हैं। गंगा स्नान और पूजा से इन पापों से मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि इस दिन लाखों श्रद्धालु हरिद्वार, वाराणसी, प्रयागराज, ऋषिकेश और गंगासागर जैसे तीर्थ स्थलों पर एकत्र होते हैं।

गंगा भारतीय समाज में केवल धार्मिक प्रतीक नहीं है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन की आधारशिला भी है। गंगा नदी लगभग 2525 किलोमीटर लंबी है और उत्तराखंड के गोमुख से निकलकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है। इसका विशाल क्षेत्र भारत और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों को जल प्रदान करता है। खेती, पेयजल, व्यापार और आजीविका का बड़ा हिस्सा गंगा पर निर्भर है। उत्तर भारत की उपजाऊ भूमि गंगा की देन मानी जाती है। गंगा के किनारे बसे नगरों ने भारतीय संस्कृति, साहित्य, संगीत और अध्यात्म को समृद्ध किया है।

गंगा दशहरा के अवसर पर विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। लोग प्रातःकाल गंगा स्नान करते हैं और सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद माँ गंगा की आरती, दीपदान और मंत्रोच्चार किया जाता है। श्रद्धालु फूल, दूध, अक्षत और प्रसाद अर्पित करते हैं। कई स्थानों पर भंडारे और दान पुण्य का आयोजन होता है। जल से भरे कलश, पंखे, वस्त्र, फल और अन्न का दान विशेष फलदायी माना जाता है। इस दिन गंगा स्तोत्र और गंगा चालीसा का पाठ भी किया जाता है।

भारतीय साहित्य और लोकजीवन में गंगा का विशेष स्थान है। कवियों और संतों ने गंगा को मोक्षदायिनी, पापहारिणी और जीवनदायिनी कहा है। तुलसीदास, कबीर, सूरदास और अन्य अनेक कवियों की रचनाओं में गंगा का उल्लेख मिलता है। लोकगीतों में गंगा माँ की महिमा का वर्णन आज भी सुनाई देता है। विवाह, जन्म, मृत्यु और अन्य संस्कारों में गंगाजल का प्रयोग शुभ माना जाता है। यह विश्वास भारतीय जनमानस में गहराई से जुड़ा हुआ है कि गंगाजल पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोग एक साथ पूजा और स्नान करते हैं। मेलों में लोक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। ग्रामीण और शहरी जीवन के लोग समान रूप से इस पर्व में भाग लेते हैं। यह पर्व भारतीय समाज में सामूहिकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

वर्तमान समय में गंगा नदी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ता प्रदूषण, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरा और अवैज्ञानिक विकास कार्य गंगा की पवित्रता और अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। कई स्थानों पर गंगा का जल प्रदूषित हो चुका है जिससे जलीय जीवों और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। गंगा दशहरा का पर्व हमें यह भी संदेश देता है कि केवल पूजा और आस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास भी आवश्यक हैं।

सरकार और समाज द्वारा गंगा संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ चलाई गई हैं। घाटों की सफाई, सीवेज उपचार संयंत्र, वृक्षारोपण और जनजागरण अभियान जैसे कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है जब आम नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। नदियों में कचरा फेंकने, प्लास्टिक का उपयोग करने और जल को दूषित करने से बचना आवश्यक है। गंगा केवल धार्मिक धरोहर नहीं बल्कि प्राकृतिक संपदा भी है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गंगा दशहरा का आध्यात्मिक संदेश भी बहुत गहरा है। गंगा का अवतरण त्याग, तपस्या और लोककल्याण का प्रतीक माना जाता है। राजा भगीरथ ने अपने पूवर्जों के उद्धार और समाज के कल्याण के लिए कठिन तप किया था। यह कथा मनुष्य को निस्वार्थ कर्म और धैर्य की प्रेरणा देती है। भगवान शिव द्वारा गंगा को अपनी जटाओं में धारण करना संतुलन और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। यह संदेश देता है कि प्रकृति की शक्तियों का सम्मान और संतुलित उपयोग आवश्यक है।

आज के भौतिकवादी युग में गंगा दशहरा जैसे पर्व लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच यह पर्व मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और आत्मिक संतुलन का अनुभव कराता है। गंगा तट पर होने वाली आरती, मंत्रोच्चार और दीपों की पंक्तियाँ मन को अद्भुत शांति प्रदान करती हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक अनुभव भी होता है।

गंगा दशहरा भारतीय संस्कृति की उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें प्रकृति को माता के रूप में पूजने की भावना निहित है। भारतीय सभ्यता ने सदैव नदियों, पवर्तों, वृक्षों और पृथ्वी को सम्मान दिया है। गंगा की पूजा वास्तव में जल और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जल ही जीवन है और उसका संरक्षण मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य है।

अंततः गंगा दशहरा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। इसमें आस्था, इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम दिखाई देता है। माँ गंगा भारतीय जनमानस में सदियों से श्रद्धा और विश्वास की धारा के रूप में प्रवाहित हो रही हैं। यह पर्व हमें पवित्रता, सेवा, त्याग और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। यदि हम गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति सचेत रहें तो यही गंगा दशहरा का सच्चा सम्मान होगा। गंगा की निर्मल धारा केवल जल नहीं बल्कि भारत की आत्मा है, जिसे सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

कब से शुरू हो रहा है नौतपा? इस दौरान क्या करें क्या नहीं

नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं।

नौतपा का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व माना गया है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं और उनकी ऊर्जा एवं उनका तेज चरम पर होता है। नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने, सूर्य के तेज को अपने व्यक्तित्व में उतारने एवं भाग्योदय के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं। ऐसे में आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से कि इस साल कब से शुरू हो रहा है नौतपा और इन नौ दिनों में क्या करना चाहिए क्या नहीं।

नौतपा कब से शुरू है?

सूर्य देव इस वर्ष 25 मई के दिन पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ ही नौतपा शुरू हो जाएगा और यह अगले नौ दिनों तक रहेगा। वहीं, सूर्य देव 8 जून, रविवार के दिन को दोपहर 1 बजकर 4 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। इसके बाद, 8 जून को वे मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और फिर 15 जून को मिथुन राशि में गोचर करेंगे।

नौतपा में क्या करें?

नौतपा के नौ दिनों के दौरान सूर्य देव को रोजाना लाल चंदन और गेंदे का एक फूल जल में डालकर अर्घ्य दें। इसके अलावा, इन नौ दिनों में रोजाना आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। नौतपा के दौरान जल, वस्त्र, भोजन आदि का दान अवश्य करें। हवा का दान कूलर या फिर ऐसी के रूप में भी कर सकते हैं। नौतपा के नौ दिन धार्मिक कार्यों में लीन रहना चाहिए। इससे शुभता घर में बनी रहती है।

नौतपा में क्या न करें?

नौतपा के नौ दिन भूल से भी बुरे विचारों एवं बुरे कार्यों में नहीं पड़ना चाहिए नहीं तो इससे सूर्य कुंडली में कमजोर होते हैं। सूर्य से जुड़ी वस्तुओं जैसे कि लाल रंग के वस्त्र, गेहूं, गुड़, सोना, माणिक्य, घी, केसर, तांबा आदि का दुष्प्रयोग न करें, नहीं तो इससे भयंकर सूर्य दोष लग सकता है। नौतपा के नौ दिनों तक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और बिस्तर के बजाय जमीन पर सोना चाहिए।

कब है गंगा दशहरा

शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रति वर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 25 मई, सोमवार को मनाई जा रही है। आइए जानते हैं गंगा दशहरा क्यों खास हैं, जानिए इस पर्व का महत्व।

ज्येष्ठ माह में आने वाले सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। इस माह में वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, अपरा एकादशी जैसे बड़े पर्व आते हैं। इन्हीं में से एक है गंगा दशहरा! ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद ही शुभ माना जाता है। इस दिन गंगा नदी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। साथ ही दान जैसे पूण्य कार्य करते हुए गंगा में स्नान किया जाता है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। यही नहीं उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। शास्त्रों में गंगा माता को मोक्षदायिनी भी कहा गया है। ये भी माना जाता है कि गंगा नदी शिव जी की जटाओं से निकलती हैं, इसलिए इस दिन शिव जी की भी पूजा करनी चाहिए। इससे विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा की पूजा विधि

- गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान करें।
- इसके बाद साफ वस्त्रों का धारण करके सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
- इस शुभ दिन पर गंगा मां के साथ-साथ शिव जी की पूजा करने का भी विधान है।
- इस दौरान गंगा स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।
- पूजा के बाद आप जरूरतमंद लोगों को दान कर सकते हैं।

गंगा स्नान से ये पाप होते हैं नष्ट

गंगा स्नान करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से 10 पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें निषिद्ध हिंसा, परस्त्री गमन, बिना दी हुई वस्तु को लेना, कठोर वाणी, दूसरे के धन को लेने का विचार, दूसरों का बुरा करना, व्यर्थ की बातों में दुराग्रह, झूठ बोलना, चुगली करना, दूसरों का अहित करना शामिल है।

गंगा दशहरा का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, गंगा मां की आराधना करने से व्यक्ति को दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा ध्यान एवं स्नान से प्राणी काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर, ईर्ष्या, ब्रह्महत्या, छल, कपट, परनिंदा जैसे पापों से मुक्त हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन भक्तों को मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ दान-पुण्य भी करना चाहिए। गंगा दशहरा के दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दोगुना फल की प्राप्ति होती है।

- गंगा दशहरा पर्व सनातन संस्कृति का एक पवित्र त्योहार है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था।
- गंगा दशहरा के दिन पवित्र नदी गंगा में स्नान करने से मनुष्य अपने पापों से मुक्त हो जाता है।
- गंगा, नदी स्नान के साथ-साथ इस दिन दान-पुण्य करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने की मान्यता है।
- मंत्र- नमो भगवते दशपापहराये गंगाये नारायण्ये रेवत्ये शिवाये दक्षाये अमृताये विश्वरुपिण्ये नंदिन्ये ते नमो नमः
- गंगा दशहरा के दिन अपने पितृ को याद करके उन्हें जल अर्पण करना चाहिए।
- शास्त्रों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान के बाद सूर्यदेवता को जल अर्घ्य देना चाहिए, तत्पश्चात दान अवश्य करना चाहिए।
- देवी भागवत के अनुसार शतशः योजन दूर बैठा मनुष्य भी यदि गंगा के नाम का उच्चारण करता है, तो वह पापों से मुक्त होकर भगवान श्रीहरि के धाम को प्राप्त करता है।
- गंगा भगवान विष्णु का स्वरूप है। इसका प्रादुर्भाव भगवान के श्रीचरणों से ही हुआ है। तभी तो गंगा (मां) के दर्शनों से आत्मा प्रफुल्लित तथा विकासोन्मुखी होती है।
- यदि कोई भी श्रद्धालु स्नान से पहले गंगा का आवाहन करता है और नदी में डुबकी लगाने से पहले उसी में गंगा की उपस्थिति की अनुभूति करता है।

गंगा दशहरा पर दान

गंगा दशहरा के दिन दान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन अवसर पर जल, अन्न, फल, वस्त्र और पूजा सामग्री का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके साथ ही घी, नमक, तेल, शक्कर और स्वर्ण जैसी वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन श्रद्धा और क्षमता के अनुसार किया गया दान पुण्य फल को बढ़ाता है और जीवन में सुख-समृद्धि लाता है।

दशविध स्नान क्या है? गंगा दशहरे के दिन घर पर कैसे कर सकते हैं 10 तरह के स्नान

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को 'गंगा दशहरा' का पर्व मनाया जाता है। शास्त्रानुसार इस दिन मां गंगा का स्वर्ग से धरती पर आगमन हुआ था।

गंगा-दशहरे के दिन जो व्यक्ति मां गंगा की आराधना करता है, उनकी धूप, दीप, नैवेद्य आदि से षोडशोपचार पूजन कर उपवास करता है, वह कायिक-वाचिक-मानसिक त्रिविध पापों से मुक्त हो जाता है। 'गंगा-दशहरे' के दिन 'दशविध-स्नान' का बहुत महत्व होता है। इस दिन 'दशविध-स्नान' करने वाले साधक को अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। दशविध-स्नान से आशय शास्त्र द्वारा वर्णित दस प्रकार के स्नान से है। गंगा दशहरे के दिन करें यह दशविध स्नान-
1.गोमूत्र से स्नान 2.गोमय से स्नान
3.गौदुग्ध से स्नान 4.गौदधि से स्नान
5.गौघृत से स्नान 6.कुशोदक से स्नान
7.भस्म से स्नान 8.मृत्तिका (मिट्टी) से स्नान
9.मधु (शहद) से स्नान 10.पवित्र जल से स्नान
उपर्युक्त वर्णित वस्तुओं से अपनी सामर्थ्य के अनुसार लेपन व तिलक कर स्नान करने से 'दशविध-स्नान' की पूर्णता होती है।

विष्णु जी की कृपा पाने के लिए अधिक मास के महीने में जरूर दान करें ये 3 खास चीजें

अधिक मास में कई सारे कार्य ऐसे होते हैं, जिन्हें करने की मनाही होती है। ऐसे में आप दान जैसे शुभ कार्यों को कर सकती हैं। इससे आपके ऊपर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहेगी। साथ ही आपके कार्य भी पूरे होंगे।

अधिक मास का महीना हिंदू धर्म में खास होता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर इसमें पूजा-पाठ से जुड़े कार्य किए जाते हैं, तो इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में आप भी दान जैसे शुभ कार्य को कर सकती हैं और भगवान को प्रसन्न कर सकती हैं। इस महीने में 3 ऐसी चीजें हैं, जिसका दान करना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है।

पीले रंग के वस्त्र

भगवान विष्णु को पीला रंग बेहद प्रिय होता है, और यह रंग देवगुरु बृहस्पति का भी प्रतीक है। अधिक मास में पीले रंग की वस्तुओं का दान करने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है, जिससे विवाह, करियर और शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। आप इसे जरूर दान करें। इसके लिए आप किसी पुजारी को यह सामान दे सकती हैं या जरूरतमंद को पीले वस्त्र दे सकती हैं, ताकि इससे आपके जीवन में भगवान का आशीर्वाद बना रहे। इससे आपके मान सम्मान में भी वृद्धि होगी।

मौसमी फल का करें दान

गर्मी के मौसम में अधिक मास का महीना आता है। ऐसे में आप मौसमी फल का दान भी कर सकती हैं। इसके लिए आप केला, खरबूजा, आम या तरबूज को दान करें। इससे आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। साथ ही आपके सभी कार्य अच्छे से पूरे होंगे। इन फलों को आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को दान करें, ताकि वो इसका सेवन कर सकें।

अधिक मास में करें अनाज का दान

अगर आपके जीवन में रुकावटें आ रही हैं, तो इस महीने में आप अनाज का दान जरूर करें। ऐसा इसलिए क्योंकि अनाज के दान से आपके जीवन की सभी परेशानियां कम होंगी। साथ ही आपके रुके हुए कार्य अच्छे से पूरे हो जाएंगे। अनाज में आप चावल, दाल या गेंहू का दान कर सकती हैं। अधिक मास भगवान विष्णु की साधना का एक अनमोल अवसर है। इस महीने में किए गए ये तीन विशेष दान न केवल आपको मानसिक और आर्थिक कष्टों से मुक्ति दिलाएंगे, बल्कि आपके घर को धन-धान्य से भर देंगे। इस पवित्र महीने का लाभ उठाएं और श्रद्धापूर्वक दान कर भगवान पुरुषोत्तम का आशीर्वाद प्राप्त करें।

25 या 26 मई, कब है गंगा दशहरा? सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

सनातन धर्म में माता गंगा के धरती पर आगमन दिवस को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ से भक्तों को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। आइए यहां जानें इस साल गंगा दशहरा की सही तिथि और महत्व के साथ पर्व से जुड़ी अन्य बातों के बारे में।

हिंदू धर्म में किसी भी तिथि का विशेष महत्व होता है और इनमें से एक है गंगा दशहरा। सनातन धर्म में इस पर्व को अत्यंत पवित्र माना जाता है और इस दिन भक्त जन श्रद्धा भाव से गंगा नदी में स्नान करके दान-पुण्य करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी तिथि पर मां गंगा पृथ्वी पर आई थीं। इस कारण से इस दिन को गंगा जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। हर साल ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा दशहरा के दिन पूजा-पाठ का भी विशेष महत्व और और इस दिन लोग नदियों में दीपदान भी करते हैं। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें इस साल गंगा दशहरा कब मनाया जाएगा और इस दिन की पूजा के शुभ मुहूर्त के साथ इस पर्व का महत्व क्या है?

गंगा दशहरा 2026 कब है?

गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और इस साल यह तिथि 25 मई, सोमवार को पड़ रही है। इसी वजह से इस दिन ही गंगा दशहरा मनाया जाएगा और इसी दिन का पूजन शुभ होगा।

गंगा दशहरा की पूजा का शुभ मुहूर्त

दशमी तिथि आरंभ- 25 मई 2026, सोमवार, प्रातः 04:30 बजे
दशमी तिथि समाप्त- 26 मई 2026, मंगलवार शाम 05:10 बजे
उदयातिथि के अनुसार गंगा दशहरा 25 मई को ही मनाया जाएगा।
गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त को सबसे पवित्र माना गया है।
ब्रह्म मुहूर्त- 25 मई, 4:40 बजे से 5:23 बजे तक। इस समय स्नान, ध्यान और तप करने का विशेष महत्व बताया जाता है।
सूर्योदय-25 मई, सुबह 6:06 बजे होगा।
अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:17 बजे से शुरू होकर 1:10 बजे तक रहेगा।
यह मुहूर्त सभी प्रकार के शुभ कार्यों के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है।
ऐसी मान्यता है कि गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त में पूजा करना सबसे शुभ होता है।

गंगा दशहरा का महत्व

हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से उतरकर पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। मान्यता है कि राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए कठोर तपस्या की और उसके परिणामस्वरूप माता गंगा पृथ्वी पर उतरकर आईं। मां गंगा के धरती पर अवतरित होने के बाद भगीरथ के पूर्वजों को मोक्ष प्राप्त हुआ। ऐसी मान्यता है कि आज भी गंगा दशहरा की पूजा विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन गंगा स्नान, दान, जप और पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गंगा दशहरा पर श्रद्धा से गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करने और मां गंगा की पूजा करने से दस प्रकार के पापों का नाश होता है। इसी कारण इसे गंगा दशहरा कहा जाता है।

बॉडी स्वैपिंग कॉमेडी पर आधारित होगी शाहिद कपूर की अगली फिल्म

शाहिद कपूर जल्द ही एक नई और मजेदार फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा कर रहे हैं, जो 'बधाई हो' और 'मैदान' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। जानिए इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी किस अभिनेत्री के साथ बनेगी?

किस पर आधारित होगी फिल्म

शाहिद की आगामी फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो बॉडी स्वैपिंग पर आधारित होगी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म है। इसकी कहानी इटली की एक पुरानी फिल्म 'हस्बैंड एंड वाइफ' से मिलती-जुलती है।

फिल्म की कहानी

इसमें एक पति-पत्नी तलाक की कगार पर हैं। एक वैज्ञानिक का प्रयोग गलत हो जाता है और दोनों का शरीर आपस में बदल जाता है। अब पति पत्नी के शरीर में और पत्नी पति के शरीर में रहकर एक-दूसरे की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। इस दौरान वे हंसी-मजाक के साथ एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। फिल्म में कॉमेडी और परिवार का ड्रामा सब कुछ होगा।

कौन होगी अभिनेत्री?

शाहिद कपूर ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। अभी मुख्य अभिनेत्री का रोल फाइनल नहीं हुआ है। बहरहाल, इस फिल्म के लिए कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर से बात चल रही है। अगर जान्हवी कपूर ने काम किया तो यह शाहिद के साथ उनकी यह पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 के बीच में रिलीज किया जा सकता है।

शाहिद कपूर का वर्कफ्रंट

शाहिद का शेड्यूल काफी व्यस्त है। वे अभी 'फर्जी' सीजन 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें विजय सेतुपति और केके मेनन भी हैं। इसके अलावा, 19 जून को उनकी फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज होने वाली है, जिसमें कृति सेनन और रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

लुटेरी दुल्हन में पूजा गौर बनीं निडर इंस्पेक्टर

रहस्यमयी मामलों की करेंगी जांच

टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्रा पूजा गौर जल्द ही वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इसमें वह सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव के किरदार में दिखेंगी। इस सीरीज की कहानी रहस्य, क्राइम और समाज की सोच के ईद-गिर्द घूमती नजर आएगी। सीरीज में पूजा गौर का किरदार एक निडर और मजबूत पुलिस अधिकारी का है, जिसे मध्य प्रदेश में हो रही अजीब और रहस्यमयी घटनाओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। कहानी उन मामलों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दुल्हनें शादी के बाद अपने दूल्हों को लूटकर अचानक गायब हो जाती हैं। इन घटनाओं के चलते इलाके में डर का माहौल है। ऐसे में संध्या यादव इस रहस्य की सच्चाई तक पहुंचने की कोशिश करती नजर आएंगी। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए पूजा गौर ने कहा, ''मुझे इस कहानी की सबसे खास बात इसकी भावनात्मक गहराई लगी। संध्या एक मजबूत पुलिस अफसर है, लेकिन वह अंदर से कई भावनात्मक संघर्षों से भी गुजर रही होती है। संध्या बाहर से निडर और सख्त दिखाई देती है, लेकिन भीतर ही भीतर वह समाज के फैसलों, उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से लड़ रही होती है।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे संध्या का किरदार इसलिए पसंद आया, क्योंकि वह सिर्फ एक केस सुलझाने की कोशिश नहीं करती, बल्कि वह अपनी पहचान के लिए भी लड़ रही है। समाज अक्सर महिलाओं को सीमित नजरिए से देखता है, लेकिन संध्या उन सोचों को चुनौती देती है।'' पूजा गौर ने बताया, ''सीरीज में संध्या और माया के बीच का रिश्ता कहानी को और ज्यादा दिलचस्प बनाता है। दोनों किरदार कानून के अलग-अलग पक्षों में खड़े हैं, लेकिन दोनों की जिंदगी पर समाज और पितृसत्तात्मक सोच का असर पड़ा है। यही भावनात्मक टकराव इस कहानी को अलग बनाता है।''

पूजा ने कहा, ''एक कलाकार के रूप में मेरे लिए ऐसा किरदार निभाना बेहद खास अनुभव रहा। संध्या महत्वाकांक्षी भी है, भावुक भी है और कई बार जिद्दी भी हो जाती है। इसके साथ ही वह दूसरों की भावनाओं को समझने वाली इंसान भी है। यही अलग-अलग भावनाएं इस किरदार को ज्यादा वास्तविक बनाती हैं।'' वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' का निर्देशन ग्लेन बैरेटो और अंकुश मोहला ने किया है। सीरीज में पूजा गोर के अलावा संविका, मनमोहन तिवारी और राजीव पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सीरीज का ट्रेलर भी हाल ही में सोशल मीडिया पर जारी किया गया। पूजा गौर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'हर गायब दुल्हन के पीछे एक नया झूठ छिपा है, और मैं उस सच के बेहद करीब पहुंच चुकी हूं।'

सैफ अली खान ने बताया क्यों बंद किया प्रोडक्शन हाउस?

सैफ अली खान हाल ही में 'कर्तव्य' फिल्म में नजर आए हैं। फिल्म में उनके काम की प्रशंसा हुई है। बतौर अभिनेता सैफ अली खान लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन बतौर निर्माता सैफ ने कुछ ही फिल्मों के निर्माण के बाद अपने प्रोडक्शन हाउस 'इल्यूमिनाती फिल्म्स' को बंद कर दिया। जबकि सैफ ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कुछ सफल फिल्में भी बनाई। अब सैफ अली खान ने प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह बताई है।

यह कष्टदायक काम है 'लव आज कल' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने के बाद सैफ अली खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले 'एजेंट विनोद', 'कॉकटेल', 'गो गोवा गॉन' और 'हैप्पी एंडिंग' जैसी फिल्मों का निर्माण किया। लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस बंद कर दिया। अब सैफ ने स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान इसके पीछे के कारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत बोरिंग काम हो सकता है। लेकिन यह बहुत क्रिएटिव है। मुझे एक आइडिया के साथ साउंड और लुक जैसी क्रिएटिव चीजों पर बात करने का आइडिया पसंद है। मुझे निर्माण करने में मजा आया, लेकिन यह बहुत कष्टदायक भी हो सकता है। इल्यूमिनाती फिल्म्स की सफलता का श्रेय मेरे डिस्ट्रिब्यूशन पार्टनर, इरोस इंटरनेशनल और मेरे प्रोड्यूसिंग पार्टनर दिनेश विजयन की मैडॉक फिल्म्स को भी जाता है।

समय बदलता रहता है

अभिनेता ने आगे कहा कि समय बदलता रहता है, लोग बदलते रहते हैं। यह हर जगह देखने को मिलता है। दिनेश एक बेहतरीन निर्माता बन गए हैं और यह बहुत अच्छी बात है। हमारा भी एक अच्छा दौर था। मैंने उससे बहुत फायदा कमाया और इसमें इरोस की उस समय की एक्टिविटीज का भी बहुत बड़ा योगदान था। यह एक शानदार मौका था, लेकिन कुछ चीजें हमेशा के लिए बनी रहती हैं।

शाहरुख हैं शानदार निर्माता

सैफ अली खान हाल ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आए हैं। इसका निर्माण शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने किया है। इसको लेकर सैफ ने कहा कि एक निर्माता के तौर पर मैंने फिल्म में कोई पुट नहीं दिया है। कुछ निर्माताओं की एक अच्छी बात यह होती है कि वे प्रोडक्शन को पूरा स्पेस और स्कोप देते हैं। इस फिल्म को निर्देशक पुलकित ने ही प्रोड्यूस भी किया है। रेड चिलीज का ऐसा करना बहुत उदारतापूर्ण है। शाहरुख के रेड चिलीज को लेकर सैफ ने कहा कि वो जिन विषयों का चयन करते हैं और जिन लोगों को एक साथ लाते हैं, वह वाकई दिलचस्प रहा है, और आगे भी रहेगा। मेरा मानना है कि शाहरुख को सिनेमा से बहुत प्यार है। आप इसे उनके निर्माण में महसूस कर सकते हैं।

रिश्तों में तनाव की वजह बनती है समानता को स्वीकार न कर पाने की मानसिकता

अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे 'डॉ. विदुषी कोठारी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी। आगामी सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि सीरीज का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर चर्चा करना है, जिन्हें अक्सर बंद कमरों की चर्चा माना जाता है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'सीजन-1 ने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद शुरू किया था। सीजन-2 भी उसी मूल विचार को कायम रखेगा। समाज इन चर्चाओं को जगह मिलना बहुत जरूरी है।'

जब आईएएनएस ने सवाल पूछा, 'आज के समय में भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है?'

इस पर अभिनेत्री का कहना है कि भले ही हम बड़े शहरों में रहते हों, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पितृसत्तात्मक है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी दोगुना मेहनत करनी पड़ती है। समाज आज भी महिलाओं के फैसलों पर बहुत जल्द अपनी राय बना लेते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा पारंपरिक रूप से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाया गया है।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारे देश के कई हिस्सों में महिलाओं को आज भी आजादी से काम करने या अपने फैसले खुद लेने की अनुमति नहीं है। हो सकता है कि शहरों में हमें यह सच्चाई हमेशा दिखाई न दे, लेकिन यह मौजूद है। इसलिए महिलाओं को पेशेवर और घर दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर वे काम करती हैं, तो लोग उन पर उंगलियां उठाते हैं। अगर वे काम नहीं करतीं, तो उन्हें फिर से परखा जाता है।' सबा का मानना है कि कुछ लड़कों की परवरिश अक्सर इसी मानसिकता के साथ की जाती है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना एक सशक्त और स्वतंत्र विचार वाली लड़की से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा, 'सच बात तो ये है कि ऐसे पुरुषों को महिलाओं को अपने से बराबर देखने की आदत नहीं होती, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा होता है।'

पुलकित सम्राट ने 'ग्लोरी' को बताया गेम चेंजिंग

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट हाल ही में एक्शन-स्पोर्ट ड्रामा सीरीज 'ग्लोरी' में नजर आए हैं। इस सीरीज में पुलकित बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए हैं। उन्होंने बॉक्सर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए पुलकित ने खुद को फिजिकल और मेंटल तौर पर काफी तैयार किया है। अमर उजाला से बातचीत में पुलकित ने 'ग्लोरी' में अपने किरदार, तैयारी और अनुभव को लेकर विस्तार से बात की।

चॉकलेटी इमेज से बाहर निकलना नहीं था आसान

पुलकित ने बताया कि यह बदलाव उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस किरदार के लिए सबसे जरूरी चीज ईमानदारी थी और मैंने पूरी सच्चाई के साथ इस पर काम किया। जो कहानी कागज पर लिखी होती है, उसमें अपनी एक जान होती है और उसी को महसूस करके निभाना पड़ता है। शरीर को बदलना भी आसान नहीं था। पहले भी फिट रहा हूं, लेकिन एक खिलाड़ी जैसा दिखने के लिए आपको सच में उसी तरह की जिंदगी जीनी पड़ती है। सिर्फ बॉक्सर जैसा दिखना काफी नहीं है, आपको बॉक्सर बनना पड़ता है।'

कड़ी ट्रेनिंग और टीम का साथ

इस किरदार की तैयारी को लेकर पुलकित ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हैंड ग्लव्स पहनने के बाद तो मैं सच में उसी दुनिया में जी रहा था। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि जितनी मेहनत मैंने की, उसे सही तरह से दिखाने के लिए हमारे पास एक बहुत अच्छी टीम और शानदार निर्देशक थे। इसलिए नतीजा भी अच्छा आया है। दिन में दो से तीन बार ट्रेनिंग होती थी, जिसमें एक्सरसाइज, फिजियोथेरेपी और बॉक्सिंग की प्रैक्टिस शामिल थी। खास तौर पर स्पीड और रिएक्शन पर काम किया, क्योंकि बॉक्सर्स की यही ताकत होती है। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर था कि कोई चोट न लगे, ताकि शूट न रुके। मेरी पूरी टीम ने पूरा साथ दिया। सेट पर भी बॉक्सिंग कोऑर्डिनेटर मानस हर समय मेरी फॉर्म पर नजर रखते थे।

बॉक्सिंग सिर्फ ताकत नहीं, दिमाग का खेल है

पुलकित ने बॉक्सिंग के मानसिक पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब हम बॉक्सिंग की बात करते हैं, तो दिमाग में गुस्सा, पंच और एक-दूसरे को हराने की तस्वीर आती है। लेकिन रिंग में उतरकर समझ आता है कि यह बिल्कुल आसान नहीं है। रिंग के अंदर यह पूरी तरह दिमाग का खेल होता है। यह शतरंज की तरह है, जहां आपको सामने वाले खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका समझना होता है, उसकी कमजोरियां पकड़नी होती हैं। उसे गलती करने पर मजबूर करना होता है। साथ ही सामने वाला भी आपके साथ यही कर रहा होता है। अगर आप पूरा बॉक्सिंग मैच देखें, तो समझ आएगा कि दोनों खिलाड़ी लगातार एक-दूसरे को पढ़ने की कोशिश करते रहते हैं। यह धैर्य और फोकस का खेल है।' अभिनेता ने आगे कहा कि बॉक्सिंग ने मुझे फोकस करना सिखाया है। पहले मैं ध्यान के लिए आंखें बंद करके बैठता था, लेकिन अब मैं सीधे स्पीड बैग के पास जाता हूं और पंद्रह मिनट उसी पर लगा रहता हूं। उस समय मेरा ध्यान कहीं और नहीं जाता। इस अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और कई बातें ऐसी हैं, जिन्हें मैं अपनी असल जिंदगी में भी अपनाता हूं।

ग्लोरी मेरे करियर का गेम चेंजर

'ग्लोरी' को अपने करियर का गेम चेंजर बताते हुए पुलकित ने कहा कि ग्लोरी मेरे लिए लाइफ चेंजिंग भी है, गेम चेंजिंग भी और करियर के हिसाब से बहुत फुलफिलिंग है। मुझे पूरा भरोसा है कि हमने जो किया है, वह सही किया है। मैं हमेशा उम्मीद के साथ काम करता हूं, लेकिन इस बार मैं काफी संतुष्ट और बहुत खुश हूं।

आरंग थाना क्षेत्र में टाटा मैजिक से गौवंश तस्करी का खुलासा, 5 तस्कर हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

टाटा मैजिक से गौवंश तस्करी का खुलासा, 5 तस्कर गिरफ्तार रायपुर। रायपुर जिले के आरंग थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध गौवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टाटा मैजिक वाहन में क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे चार बैलों को मुक्त कराया है। इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी संजय टंडन भी शामिल है, जो पहले भी गौ तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। जानकारी के अनुसार, आरंग थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी।

एक टाटा मैजिक वाहन में अवैध रूप से बैलों को भरकर पंधी गांव की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हरीश साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पंधी मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। पुलिस ने जब वाहन की तलाशी ली तो अंदर का दृश्य बेहद चिंताजनक था। वाहन की

सीमित क्षमता के बावजूद उसमें चार बैलों को बेरहमी से ठूंस-ठूंस कर बांधा गया था। पशुओं की हालत खराब थी और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किए जाने की बात सामने आई। पुलिस ने तत्काल बैलों को वाहन से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद वाहन में मौजूद लोगों से गौवंश परिवहन से संबंधित दस्तावेज और अनुमति पत्र मांगे गए, लेकिन आरोपी कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने मौके पर ही वाहन और बैलों को जब्त कर सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी संजय टंडन पहले भी गौ तस्करी के गंभीर मामलों में शामिल रहा है। उसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड होने के कारण पुलिस इस पूरे मामले को संगठित तस्करी गिरोह से जोड़कर जांच कर रही है।

अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी संजय टंडन के लिए काम करते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क के तार किन-किन क्षेत्रों तक जुड़े हैं। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि बैलों को कहां से लाया गया था और उन्हें कहां ले जाने की तैयारी थी। पुलिस का कहना है कि यह सिर्फ एक सामान्य तस्करी का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क होने की आशंका है। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की जांच करते हुए पुलिस पूरे सिंडिकेट की जानकारी जुटा रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में और लोगों की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

महासमुंद पुलिस ने किया नाकाम आरंग पुलिस ने इस मामले में छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10 और 11 के तहत अपराध दर्ज किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश के बाद वयस्क आरोपियों को जेल भेज दिया गया, जबकि दोनों नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में गौवंश तस्करी और पशु क्रूरता के मामलों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कारर्वाई के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता की चर्चा हो रही है। प्रशासन ने कहा है कि पशु तस्करी और अवैध परिवहन में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

खास खबर

स्मार्ट मीटर वापस लो, बिजली कटौती बंद हो : कांग्रेस का सरकार पर हमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने उठाए पेयजल संकट, स्कूल फीस वृद्धि और डीएड अभ्यर्थियों का मुद्दा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा में राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने स्मार्ट मीटर वापस लेने, अघोषित बिजली कटौती रोकने और स्कूल फीस वृद्धि वापस लेने की मांग की।

स्मार्ट मीटर से तीन गुना तक बढ़ा बिल

बैज ने कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली की खपत से ज्यादा रीडिंग आ रही है। इस महीने लोगों का बिल तीन गुना तक बढ़कर आया है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश से स्मार्ट मीटर वापस ले लिया है। छत्तीसगढ़ से भी इसे वापस लिया जाए। इस मांग को लेकर कांग्रेस पूरे प्रदेश में जन आंदोलन करेगी।

अघोषित कटौती से जनता परेशान

उन्होंने कहा कि गर्मी में अघोषित बिजली कटौती आम आदमी के लिए सिरदर्द बन गई है। भाजपा सरकार आने के बाद 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही। कोई दिन ऐसा नहीं जब दो-चार घंटे बिजली बंद न हो। रात में हालात और खराब हैं, कई जिलों में पूरी रात कटौती हो रही है। ढाई साल में विद्युत सरप्लस छत्तीसगढ़ कटौती का केंद्र बन गया है।

पेयजल संकट पर सरकार को घेरा

बैज ने कहा कि पूरे प्रदेश में भीषण पेयजल संकट है। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल का काम पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुआ था, लेकिन अब भुगतान रोके जाने से परियोजनाएं रुक गई हैं। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, जशपुर, बलरामपुर, अंबिकापुर और सूरजपुर समेत पूरे प्रदेश में हाहाकार है। रायपुर के 70 में से 35 वार्ड जल प्रभावित हैं। टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है।

स्कूल फीस वृद्धि वापस लेने की मांग

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने दसवीं-बारहवीं की परीक्षा शुल्क समेत 22 मदों की फीस दोगुनी कर दी है। नियमित फीस 460 से 800 रु, नामांकन शुल्क 80 से 200 रु, अतिरिक्त विषय 110 से 250 रु कर दिया गया है। यह गरीब माता-पिता और एससी-एसटी वर्ग के छात्रों पर कुठाराघात है। सरकार तत्काल फीस वृद्धि वापस ले।

137 दिन से आंदोलन पर डीएड अभ्यर्थी

बैज ने बताया कि डीएड अभ्यर्थी 2300 से अधिक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर तूता धरना स्थल पर 137 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। कोर्ट का आदेश होने के बावजूद नियुक्ति नहीं दी जा रही। स्कूलों में 60 हजार से अधिक पद रिक्त हैं। सरकार बेरोजगारों पर अत्याचार कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

राजनांदगांव और डोंगरगढ़ की जेल नो फ्लाई जोन घोषित, ड्रोन उड़ाने पर रोक

सुरक्षा और अवैध गतिविधियां रोकने के लिए कलेक्टर ने जारी किया आदेश

राजनांदगांव। जिला जेल राजनांदगांव और उप जेल डोंगरगढ़ के संपूर्ण परिसर को ड्रोन के लिए नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव ने महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं रायपुर के निर्देश पर यह आदेश जारी किया।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए लिया फैसला : जेल अधीक्षक राजनांदगांव और सहायक जेल अधीक्षक डोंगरगढ़ ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अप्रिय अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए दोनों जेलों के पूरे भू-भाग को नो फ्लाई जोन घोषित करने का अनुरोध किया था। इसी के परिपालन में कलेक्टर ने आदेश जारी किया। अब जिला जेल राजनांदगांव और उप जेल डोंगरगढ़ के परिसर में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित रहेगा।

विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री साय ने दी विकास कार्यों की सौगात

मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 के तहत किया श्रमदान, मुख्यमंत्री से साझा किए अपने अनुभव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड भाटापारा स्थित ग्राम करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर में शामिल होकर क्षेत्रवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री ने ग्राम करहीबाजार में सर्व समाज हेतु 25 लाख रुपये की लागत से सांस्कृतिक भवन निर्माण तथा सुकालू के घर से सिद्ध बाबा मार्ग तक 25 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य की घोषणा की। उन्होंने करहीबाजार एवं कोदवा के हायर सेकेंडरी स्कूलों में भवन निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने ग्राम विटकुली में 20 लाख रुपये की लागत से मांगलिक भवन निर्माण तथा ग्राम पंचायत कोठमी, मोपका, कोनी, बोरसी, कोदवा, पाटन एवं रामपुर में 10-10 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्यों की घोषणा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने माँ महामाया मंदिर पहुंचकर पूजा-अचर्ना की तथा स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात कर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचकर धात्री माताओं को किट वितरित की और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए हितग्राहीमूलक स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने फुटबॉल खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके अनुरोध पर फुटबॉल को किक लगाई। उन्होंने हम होंगे कामयाब 2.0 पोर्टल का शुभारंभ भी किया। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक खुमरी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नवजात बच्चों को अन्नप्राशन कराया तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हेलमेट वितरित किए। प्रधानमंत्री आवास योजना की हितग्राही श्रीमती राजकुमारी के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होकर मुख्यमंत्री ने भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट की और परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 के अंतर्गत सोखता पिट निर्माण में श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने जल संचयन के क्षेत्र में कार्य कर रही जल संचयन दीदी श्रीमती बेबी सेन एवं श्रीमती अम्बे मानिकपुरी से बातचीत कर उनके प्रयासों की सराहना की।

समाधान शिविर में हितग्राहियों ने शासन की योजनाओं से मिले लाभ साझा किए। नंद कुमार ध्रुव ने बताया कि सुशासन तिहार के दौरान मोटराइज्ड वाहन संबंधी समस्या के निराकरण हेतु दिए गए आवेदन का त्वरित समाधान हुआ, जिसके लिए उन्होंने शासन-प्रशासन का आभार जताया। दिलीप कुमार वर्मा ने बताया कि स्वामित्व पट्टा योजना के तहत भूमि मिलने से उन्हें आवास निर्माण में सुविधा मिली है।

श्रीमती अनीता निषाद ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले उन्हें कच्चे मकान के कारण कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें सुरक्षित आवास प्राप्त हुआ है। वहीं श्रीमती पिंकी बंजारे ने महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्राप्त आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है।

जामा मस्जिद ट्रस्ट रायपुर के कार्यवाहक मुतवल्ली नियुक्त किए गए हाजी मोहम्मद

हाईकोर्ट के आदेश के बाद चुनाव प्रक्रिया पर रोक, वक्फ बोर्ड ने की नियुक्ति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हलवाई लाइन स्थित जामा मस्जिद ट्रस्ट रायपुर के कार्यवाहक मुतवल्ली के रूप में हाजी मोहम्मद इकबाल उर्फ मुन्ना भाई को नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने वक्फ संपत्तियों की देख-रेख, प्रबंधन और सुचारू संचालन के लिए यह नियुक्ति की है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद फैसला

जामा मस्जिद ट्रस्ट के मुतवल्ली का कार्यकाल 15 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो गया था। इसके बाद नए मुतवल्ली के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी बीच किसी व्यक्ति द्वारा उच्च न्यायालय बिलासपुर के समक्ष याचिका क्रमांक 2559/2026 दायर की गई। याचिका पर 15 मई 2026 को पारित आदेश में हाईकोर्ट ने आगामी सुनवाई तक केवल मुतवल्ली चुनाव की प्रक्रिया पर रोक लगा दी।

वक्फ बोर्ड ने संभाली व्यवस्था

हाईकोर्ट के आदेश के बाद ट्रस्ट के अंतर्गत आने वाली वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने हाजी मोहम्मद इकबाल को कार्यवाहक मुतवल्ली नियुक्त किया। हाजी मुन्ना फिलहाल कार्यवाहक समिति, जामा मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।

निलंबित सहायक राजस्व अधिकारी बहाल, जोन-5 में किया पदस्थ

विभागीय जांच जारी, जांच पूरी होने के बाद होगा निलंबन अवधि का निराकरण

भिलाई। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन के आरोप में निलंबित सहायक राजस्व अधिकारी अनिल कुमार मेश्राम को निगम आयुक्त ने बहाल कर दिया है। उन्हें जोन कार्यालय, जोन-5 में पदस्थ किया गया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के अनुसार, श्री मेश्राम को निलंबित करने के बाद 9 अप्रैल 2026 को आरोप पत्र जारी किया गया था। मेश्राम ने 11 मई 2026 को आरोप पत्र का जवाब प्रस्तुत किया, जो प्रथम दृष्टया संतोषप्रद नहीं पाया गया। इसके बाद उनके विरुद्ध विभागीय जांच शुरू की गई है। विभागीय जांच पूरी होने में समय लगने की संभावना को देखते हुए आयुक्त ने समुचित विचार के बाद उन्हें निलंबन से बहाल करने का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि का निराकरण विभागीय जांच पूर्ण होने के बाद नियमानुसार किया जाएगा।

एनसीसी सिखाती है नेतृत्व करना - रामचंद्र, एनसीसी कैंप में कैडेट्स को किया मोटिवेट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिले के प्रख्यात शिक्षाविद और मोटिवेटर रामचंद्र शर्मा ने जिले में चल रहे एनसीसी कैंप में कैडेट्स को करियर और भविष्य विषय को लेकर मोटिवेट किया। एनसीसी के 28 वी छतीसगढ़ बटालियन के सूबेदार मेजर ने बताया कि 28 सी जी बटालियन के कमांडेंट कर्नल तेवतिया के मार्गदर्शन में सेंट जेवियर स्कूल में लगभग 400 युवक एवं युवतियों का कैंप चल रहा है। जिसमें जूनियर एवं सीनियर डिवीजन के कैडेट शामिल है।

कैडेट्स को मोटिवेट करने प्रसिद्ध शिक्षाविद और मोटिवेटर रामचंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे जहाँ उनका स्वागत कर्नल तेवतिया ने किया। अपने मोटिवेशनल उदबोधन में रामचंद्र शर्मा ने बताया कि जीवन संघर्ष के दौरान कैसे रहना चाहिए कैसे एनसीसी से जीवन में लाभ होते है। करियर में एनसीसी के क्या क्या लाभ हैं , नेतृत्व क्षमता और

अनुशासन कैसे आगे बढ़ाता है , क्या क्या नौकरियां मिल सकती हैं आदि बातों पर व्याख्यान रामचंद्र ने दिया , कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ जिसमें रामचंद्र ने सवालों के रोचक तरीके से जवाब दिए , कैडेट्स को कर्नल तेवतिया ने भी सम्बोधित किया ,रामचंद्र शर्मा को प्रतीक चिन्ह देकर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई

सीनियर अंडर अफसर रह चुके हैं रामचंद्र

कर्नल तेवतिया में एनसीसी कैडेट्स को बताया कि मोटिवेटर रामचंद्र शर्मा खुद एनसीसी कैडेट के रूप में तीनो प्रमाणपत्र ए ,बी व सी प्रमाणपत्र ए ग्रेड में हासिल कर चुके हैं वे डिग्री कॉलेज के सीनियर अंडर अफसर रह चुके हैं , रामचंद्र ने 26 जनवरी परेड दिल्ली में 28 बटालियन के प्रतिनिधि के रूप में राजपथ पर परेड कर चुके हैं ,एनसीसी के कारण रामचंद्र का चयन पुलिस सब इंस्पेक्टर के रूप में छत्तीसगढ़ पुलिस में हुआ था जिसमें उनको साक्षात्कार में पांच अंक बोनस में मिले थे , एनसीसी के दस से ज्यादा कैंप रामचंद्र शर्मा कर चुके हैं ,आजकल संस्कार पब्लिक स्कूल का संचालन कर बच्चों का करियर बना रहे हैं

दुर्ग के ऐतिहासिक जेआरडी स्कूल का होगा संरक्षण, शिक्षा मंत्री ने किया निरीक्षण

टैगोर हॉल का होगा रेनोवेशन, सुपर-30 योजना शुरू कर NEET-JEE की तैयारी कराएंगे

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गांधी चौक स्थित शहर के सबसे पुराने जेआरडी मल्टीपरपस स्कूल के संरक्षण और शैक्षणिक उन्नयन के लिए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिक्षा विभाग एवं आरईएस के अधिकारियों के साथ विद्यालय का निरीक्षण किया।

देश की आजादी से पहले स्थापित इस स्कूल से शहर की कई पीढ़ियों की भावनात्मक स्मृतियां जुड़ी हैं। निरीक्षण के दौरान भवन की मरम्मत, संरचनात्मक मजबूती और मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए आधुनिक सुविधाएं देने पर चर्चा हुई।

जेआरडी स्कूल शहर की विरासत है

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि यह स्कूल केवल शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि दुर्ग की पहचान है। यहां से पढ़े विद्यार्थी

खेल, साहित्य, पत्रकारिता, सेना, पुलिस, राजनीति और प्रशासनिक सेवाओं में नाम रोशन कर रहे हैं। मंत्री यादव स्वयं भी इसी स्कूल के छात्र रहे हैं।

टैगोर हॉल में जुड़ेंगी आधुनिक सुविधाएं

मंत्री ने ऐतिहासिक टैगोर हॉल का भी निरीक्षण किया। आरईएस के इंजीनियरों ने बताया कि हॉल का रेनोवेशन कर अटैच बाथरूम समेत अन्य सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। यह हॉल वर्षो तक शहर के शासकीय प्रशिक्षण, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों का केंद्र रहा है।

सुपर-30 क्लास शुरू करने की योजना

स्कूल में सुपर-30 योजना शुरू करने की पहल की जा रही है। इसके तहत ठएएळ और खएए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभाशाली विद्याथियों को विशेष कोचिंग, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और अध्ययन सामग्री दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य ग्रामीण और मध्यमवर्गीय बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही बड़े शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शासकीय विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना प्राथमिकता है। जेआरडी स्कूल का विकास दुर्ग की ऐतिहासिक शैक्षणिक धरोहर को नई पहचान देगा।

छत्तीसगढ़ के अवि मानिकपुरी का अंडर-18 भारतीय हॉकी टीम में चयन, जापान में खेलेंगे एशिया कप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बिलासपुर के अवि मानिकपुरी का चयन अंडर-18 भारतीय हॉकी टीम में हुआ है। अवि 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगहारा में होने वाले अंडर-18 एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भोपाल सीरीज में शानदार खेल का इनाम

अवि का चयन 15 से 20 मई तक भोपाल में हुई इंडिया-ऑस्ट्रेलिया सीरीज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। वतर्मान में वह भोपाल एनसीओई में ओलंपियन समीर दाद से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

नए फॉर्मेट में मौका

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि एफआईएच ने इस नए फॉर्मेट की शुरुआत की है। पहले केवल जूनियर और सीनियर वर्ग का एशिया कप होता था। हॉकी इंडिया की इस पहल से युवा खिलाड़ियों को नया प्लेटफॉर्म मिलेगा।

भोपाल में इंडिया-ऑस्ट्रेलिया सीरीज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद मिला मौका, 29 मई से जापान में टूर्नामेंट

बिलासपुर से भोपाल तक का सफर

बिलासपुर के रहने वाले अवि ने पुलिस हॉकी ग्राउंड में हॉकी की बारीकियां सीखीं। बाद में उनका चयन खेलो इंडिया सेंटर बहतराई बिलासपुर के लिए हुआ। अवि पिछले 4 साल से सब जूनियर और जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

प्रदेश में खुशी की लहर

महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश के बेटे का देश के लिए खेलना गर्व की बात है। अवि के चयन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, विधायक सुशांत शुक्ला, खेल निर्देशक तनुजा सलामे, महापौर मधुसूदन यादव, छत्तीसगढ़ हॉकी के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दीं।

अंदर की बात

खुलकरः यशवंत साहू
फाउंडर भिलाई टाइम्स

आईपीएस ट्रांसफर : बड़े जिलों के बदल जाएंगे कप्तान...

छत्तीसगढ़ के दो पॉवरफुल जिलों में सरकार ने ऐसे प्रमोटी आईपीएस अफसरों को बिठा दिया है, जो उम्मीद से ज्यादा ही काम कर रहे हैं...ये किसी आरक्षक, एसआई और टीआई ने सोचा भी नहीं था कि कप्तान इतने फुर्तीले निकलेंगे। अब दोनों कप्तान के ट्रांसफर के लिए आरक्षक से लेकर टीआई पूजा-पाठ कर रहे हैं...कहते हैं, अब बस। बहुत हो गया। किसी भी तरह जून में निकलने वाली आईपीएस ट्रांसफर सूची में इनका नाम बस आ जाए। ब्यूरोक्रेसी से लेकर राजनीतिक गलियारे में इस बात की खूब चर्चा है कि दोनों बड़े जिले के एसएसपी अदला-बदली होने वाले हैं...। अब बस इंतजार है कि जून के महीने में शानदार काम करने वाले इन दोनों आईपीएस का नाम है कि नहीं...? इशारों ही इशारों में बता देते हैं कि दोनों प्रमोटी आईपीएस को सरकार ने टास्क देकर भेजा था, जिसे बखूबी निभा रहे हैं...सरकार खुश है इनके काम से, बस नीचे के कमर्चारी-अधिकारी तनाव में हैं, इनके आने के बाद से। इतना स्पष्ट है कि जून में लंबी-चौड़ी आईपीएस ट्रांसफर लिस्ट आने वाली है।

विजय शर्मा की दिल्ली टिकट कन्फर्म,..लेकिन उनकी जगह कौन लेगा ?...

- ये बात एकदम क्लियर है कि छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम-गृहमंत्री विजय शर्मा केंद्र की गुडबुक में है। उनकी दिल्ली वाली टिकट कन्फर्म है। उनके बेहद करीबी राष्ट्रीय अध्यक्ष चाहते हैं कि विजय अब उनके साथ और बेहतर काम करें। बंगाल चुनाव में शर्मा जी ने खूब पसीना बहाकर पार्टी को विजय दिलाई...अब उनका काम दिल्ली में लिया जाना है। ऐसे में सवाल ये है कि विजय शर्मा के दिल्ली जाने से धान के कटोरा छत्तीसगढ़ में किस विधायक का भला होने वाला है। चर्चा है कि जनरल कैटेगरी से आने वाले पार्टी के "देव" की किरण चमक सकती है...इशारा साफ है किरणदेव का नंबर लगने वाला है मंत्रिमंडल में। कहा तो ये भी जा रहा है कि बस्तर से आने वाले किरणदेव को डिप्टी सीएम की ताजपोशी कर दी जाएगी अगर विजय शर्मा दिल्ली संगठन में जाते हैं तो। ऐसे में सवाल तो ये भी है क्या मंत्रिमंडल में भारी चेंज होगा या आंशिक। यानी हल्का फेरबदल। तो सवाल फिर उठता है कि कौन-कौन मंत्रियों की छुट्?टी होने वाली है? सरगुजा से आने वाले मंत्रियों का नंबर कम आ रहा है, तो वहीं से एक-दो मंत्रियों को कम कर मैदानी पट्?टी वाले विधायकों को मौका मिल सकता है। खैर इन सबमें थोड़ा वक्त है। ज्यादा नहीं, सुशासन तिहार तक।

मेयर-पार्षद टिकट,..अपनों में घिरे विधायक...

- हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था,..दिलवाले फिल्म का ये डॉयलॉग दुर्ग जिले के एक विधायक खूब बोलते फिर रहे हैं...। आने वाले नवंबर-दिसंबर में चुनाव है। ऐसे में भाजपा के ये विधायक अपनों में ही घिर गए हैं...हर छोटी सी छोटी चीज को इवेंट में कन्वर्ट कर देते हैं। अब मेयर की टिकट के लिए जद्दोजहद चल रही है...कल तक चर्चा थी कि ऊर्जावान विधायक कहीं खुद दावेदारी न कर दें। लेकिन उन्होंने इशारों ही इशारों में एक "दीपक" जला दिया है...उसके बाद से उनके विरोधी और कुछेक अपने तनाव में आ गए हैं...इसलिए विधायक के खिलाफ संगठन के दो शीर्ष कंधों के पास पहुंचकर शिकायतों का पुलिंदा सौंप रहे हैं...जमीन खरीदी-बिक्री और टेंडर से जुड़े मामलों की खबर दोनों नेताओं तक पहुंचा रहे हैं...इन सबकी परवाह किए गए बगैर विधायक महोदय अपने धुन में लगे हैं...चर्चा है कि विधायक जी का रिपोर्ट कार्ड ठीक नहीं है। ऐसे में ये आने वाले निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव में उन्हें टेंशन में डाल सकते हैं। कुछेक तो ये भी कहते हैं कि ऐसे संकटों से निपटना विधायक जी को बखूबी आता है। क्योंकि, किस्मत लिखाकर आए हुए हैं, एक स्वर्गसिधार हुए नेता उन्हें जादूगर भी कहते थे।

4. एकेडमी में अश्लील टीचर, खिड़की तक तोड़ दिए...

- हे राम...ये क्या-क्या देखना और सुनना पड़ रहा है...पीएससी और व्यापमं की तैयारी कराने वाले दुर्ग के एक एकेडमी में छात्रा के साथ अश्लील हरकत हो जाती है और सबके सब चुप भी है। बस बात ये है कि ये बात दब गई। लेकिन पैरेंट्स और स्टूडेंट्स में भारी गुस्सा है। पिछले संडे की ही बात है। सुबह-सुबह इस एकेडमी में भारी तोड़फोड़ हुई है...बात को दबाने की कोशिश की गई, लेकिन ये बात ऐसी है कि इसमें जितना पानी डालोगे, बात आग की तरह उतनी ही भभकेगी। दरअसल, एक टीचर पर ये आरोप लगा है। मैनेजमेंट से ताल्लुक रखने वाले इस टीचर की "उड़ान" इतनी तेज है कि अब इसके पंख कतर दिए गए हैं...। पैरेंट्स को समझाया गया है और उस बच्ची ने एकेडमी छोड़ दिया है। लेकिन खिड़की टूट गई है। बच्चों को उस दिन छुट्?टी भी दे दी गई। पुलिस तक बात पहुंची है लेकिन कार्रवाई कुछ भी नहीं। क्योंकि, मोटी फीस लेने वाले इस एकेडमी के डायरेक्टर ने सबकुछ मैनेज कर लिया। अब तैयारी है ऊंची उड़ान उड़ने की। खैर ये बात कब तक दबी रहती है ये तो वक्त ही बताएगा।

युवा कांग्रेस चुनावः अब तो बात नाक की है...

- युवा कांग्रेस को बहुत जल्द नया अध्यक्ष मिल जाएगा। मेंबरशिप लांच होने के बाद से युवाओं की पूछ परख बढ़ गई है...लेकिन उतना ही तनाव नेताओं का बढ़ गया है। क्योंकि, इस बार बात नाक पर आ गई है। हालांकि, कांग्रेस में खेमे ही खेमे है...लेकिन सबसे ज्यादा दो खेमे की बात हो रही है। सीनियर और युवा विधायक की। प्रदेश में युवा विधायक ने गरदा उड़ा दिया है...ये गर्दे सीनियर की आंखों तक पहुंच गई है...इसलिए आंखों में अब चूभने लगे हैं...किसी समय में इसी सीनियर नेता ने इस युवा विधायक को लांच किया था...लेकिन अब चर्चा है कि युवा विधायक ने लाइन क्रॉस कर दिया है...दिल्ली में गहरी पकड़ बना चुके हैं...सीधे आरजी को रिपोर्ट करते हैं, लेकिन इस युवा विधायक को उनके बंगले में इज्जत नहीं मिल रही है...ये बात बाहर तक आ गई है,..छाती में पथरा लदककर उन्हें काम करना पड़ रहा है...इसीलिए युवा विधायक ने भी इस बार अपने पैनल को मजबूत करने के लिए प्रदेशभर का दौरा शुरू कर दिया है...लेकिन सीनियर ने भी ये कह दिया है कि अब युवाओं की राजनीति "पांच नंबर" से थोड़ी न ऑपरेट होगी। कल तक हम चला रहे थे, आज भी हम चलाएंगे और कल भी हम चलाएंगे। ये बात अलग है कि दोनों नेता ओबीसी से आते हैं। 2023 में अकेले चेहरे थे, अब 2028 के चुनाव में दोनों चेहरे हो जाएंगे। बस इस बार साजिश और षड्यंत्र का घोड़ा सरगुजा से बाहर निकलकर मध्य मैदानी में न आ जाए...

थप्पड़ से नहीं, वीडियो से डर लगता है साहब...

- जी हां, दबंग फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा का ऐसा ही कुछ डॉयलॉग था। अब ये डॉयलॉग मंत्री जी दे रहे हैं। क्योंकि, आजकल लोग बात-बात पे वीडियो बना दे रहे हैं...मंत्रीजी के द्वार में आने वाले युवा अभ्यर्थियों से साफ-साफ कह दिया जाता है कि आप लोग मंत्री जी से बात करते वक्त फोन यूज नहीं करेंगे...लेकिन फिर भी चोरी-छिपे कई युवा वीडियो बना दे रहे हैं...ये अलग तनाव है। वैसे ये मंत्री दुर्ग संभाग के हैं। उनके जैसे बाकी मंत्रियों का भी हाल बुरा है। क्योंकि, भर्ती को लेकर युवाओं में गजब नाराजगी है। जिस स्पीड में भर्ती होनी थी, वैसी नहीं हुई है...हर दूसरे-तीसरे दिन युवा पहुंच जा रहे हैं मंत्रियों के पास। शिक्षक भर्ती सबसे ज्यादा डिमांडिंग भर्ती है। अब बस नोटिफिकेशन का इंतजार है...वैसे एक और मंत्री हैं, जिनसे सबसे ज्यादा उम्मीद है। क्योंकि, उन्हें विजनरी मंत्री भी कहा जाता है। इसमें कोई डाउट नहीं है कि मंत्री महोदय, 20 से 25 साल का प्लान लेकर काम कर रहे हैं...कहते भी हैं कि, लोग याद करेंगे कि फलाना मंत्री ने ये काम किया था...। खैर, उन्हें डैमेज को कंट्रोल करना बहुत आसान तरीके से आता है। 2028 से पहले तक मंत्री महोदय संभाल लेंगे। ये भी स्पष्ट है कि 2023 के चुनाव में हवाओं का रूख भी वही भाजपा नेता ने बदला था। 2028 में भी नैया पार भाजपा की वही लगाने की दमखम रखते हैं।

5 सितंबर का इंतजार...

- सीजीपीएससी की तरह हर साल शिक्षक भर्ती की वैकेंसी एक ही डेट पर आएगी। भले पोस्ट की संख्या 500 क्यों न हो या 20000 क्यों न हो। मंत्री गजेंद्र यादव ने साफ कर दिया है कि हर साल सीजीपीएसी की तर्ज पर एक ही तारीख को शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी होगा...वो तारीख है 5 सितंबर। युवाओं को हर साल इस तारीख का इंतजार रहेगा। क्योंकि, ढाई साल में शिक्षक भर्ती एक भी नहीं हुई है। ऐसे में आने वाले ढाई साल में कम से कम 30000 शिक्षक भर्ती करनी होगी। तभी डैमेज कंट्रोल होगा। मंत्री गजेंद्र की टीम यानी कि डीपीआर और शिक्षा विभाग इस चीज को एनॉलिसिस में लगा हुआ है कि जैसे-तैसे, बढ़िया तरीके से 5000 पदों पर शिक्षक भर्ती हो जाए। उसके बाद सायं-सायं भर्ती निकालेंगे। चुनावी साल में तो बंपर भर्ती निकलेगी...। यानी युवाओं को अपना सीट बेल्ट बांधकर रखना चाहिए। ताकि, ऐन वक्त में कोई गड़बड़ न हो। कहने का मतलब ये है कि पूरी तैयारी के साथ रहिए और सीधे एग्जाम दीजिए।

अरे ददा रे, यहां तो कलेक्टर साहब को कोई नहीं जानता...

- रायपुर से लगे एक बड़े जिले के कलेक्टर साहब के लिए ऑकवर्ड सिचुएशन तब क्रिएट हुआ, जब उनके सामने ही कह दिया गया कि कलेक्टर कौन है...? यानी कि कलेक्टर साहब एसी चेंबर से निकलते नहीं है...। मामला तो यही लग रहा है। वहां के एसपी को सब जानते हैं। क्योंकि, उनका काम कड़क है। कलेक्टर के लिए मुश्किल भरा वक्त है। सिर्फ समीक्षा बैठकों की फोटो जब अखबारों में छपती है, तब लोग देख पाते हैं। बाकी समय तो पता ही नहीं चलता। राजधानी के करीब होकर भी इस जिले के कलेक्टर को नहीं जानना, बड़े ही दुख का विषय है। सुना है कि सुशासन तिहार के बाद कुछ जिलों के कलेक्टर भी बदले जा सकते हैं। उनमें ये बड़ा जिला भी शामिल है।

बस्तर में आज भी बारूदी सुरंगों का खतरा : आईजी सुंदरराज

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि बस्तर क्षेत्र अब नक्सली गतिविधियों से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 से बस्तर में नक्सल हिंसा लगभग पूरी तरह बंद हो गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक मीडिया से बातचीत के दौरान आईजी ने कहा कि केंद्र सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार और स्थानीय लोगों की इच्छा के अनुसार सुरक्षा बलों ने लगातार अभियान चलाकर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि अब देश के ज्यादातर हिस्सों में सशस्त्र नक्सली गतिविधियां खत्म हो चुकी हैं और बस्तर को भी सुरक्षित घोषित किया जा सकता है।

आईजी सुंदरराज ने कहा कि अब सबसे बड़ी चुनौती पिछले कुछ वर्षों में मिली सफलता को कायम रखना है। इसके साथ ही जंगलों और पहाड़ी इलाकों में छिपाए गए बारूदी सुरंगों और आईईडी को ढूंढकर सुरक्षित तरीके से हटाना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल लगातार डी-माइनिंग अभियान चला रहे हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी और सरेंडर कर चुके नक्सलियों से पूछताछ के आधार पर सुरंगों की पहचान की जा रही है। आईजी के अनुसार, बस्तर का इलाका पहाड़ी और जंगलों से घिरा होने के कारण पूरे क्षेत्र को पूरी तरह माइन फ्री घोषित करने में अभी कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ मौसमों तक यह अभियान जारी रहेगा।

आईजी ने कहा कि पहले नक्सली जल, जंगल और जमीन के मुद्दों को लेकर गांव के लोगों को सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ भड़काने की कोशिश करते थे। वे लोगों के बीच गलत जानकारी फैलाते थे। लेकिन अब स्थानीय लोगों को नक्सलियों की साजिश समझ आ चुकी है। उन्होंने कहा कि गांव के लोग अब किसी भी तरह की हिंसा या विकास विरोधी गतिविधियों का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार अब बस्तर के गांवों में सड़क, पानी, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने पर काम कर रही है। पुलिस और प्रशासन लगातार गांवों में जाकर लोगों से बातचीत कर रहे हैं ताकि कोई भी व्यक्ति उन्हें फिर से गुमराह न कर सके।

राहुल गांधी के बयान पर भाजयुमो का भिलाई में प्रदर्शन, फूंका पुतला

भाजपा ने कहा- संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं पर टिप्पणी निंदनीय, युवा मोर्चा ने दी आंदोलन की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर की गई टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार शाम भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भिलाई ने सुपेला घड़ी चौक पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

यह प्रदर्शन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह और भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा के निर्देश तथा जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने किया।

देश की गरिमा का अपमान : देवांगन

भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की भाषा का स्तर लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री पर की गई टिप्पणी केवल व्यक्तियों पर हमला नहीं, बल्कि देश की गरिमा और संवैधानिक मर्यादाओं का अपमान है। उन्होंने राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी की मांग की।

ओछी राजनीति बर्दाश्त नहीं : सौरभ जायसवाल

भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे वरिष्ठ नेताओं के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग निंदनीय है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस ओछी राजनीति और बयानों से बाज नहीं आई तो युवा मोर्चा पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगा।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन में महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, विजय जायसवाल, कन्हैया सोनी, विशालदीप नायर, मंडल अध्यक्ष दीपक भौंडेकर, सूरज जायसवाल, शुभम चिंचोलकर, सुमित कन्नौजिया, सौरभ चटर्जी, जयंत शर्मा, तुषार देवांगन, विकास जायसवाल समेत बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह जानकारी युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी जयंत शर्मा ने दी।

करही गोलीकांड का खुलासा : ऑपरेशन हंट में 3 आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल-मोटरसाइकिल बरामद

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, उधारी और कारोबारी रंजिश बनी हत्या की वजह

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर चांपा

थाना बिर्रा क्षेत्र के ग्राम करही में 23-24 अप्रैल की रात हुए चर्चित गोलीकांड का जांजगीर-चांपा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। ऑपरेशन हंट के तहत पुलिस ने एक माह बाद अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उधारी और कारोबारी जलन बनी हत्या की वजह

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपियों ने उधारी के पैसों को लेकर चल रहे विवाद, मृतक आयुष कश्यप के बढ़ते प्रभाव, आर्थिक प्रगति और व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा से उपजी जलन के चलते हत्या की साजिश रची थी।

पिस्टल और बाइक बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, दो मैगजीन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत कुमार बघेल (23), वार्ड-11 करही; भूषण बघेल (23), वार्ड-01 करही और अमित टंडन (28), वार्ड-09 करही, सभी थाना बिर्रा, जिला सक्ती के निवासी हैं। पूछताछ में तीनों ने जुर्म कबूल कर लिया है। मुख्य साजिशकर्ता व अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

23-24 अप्रैल की रात तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी थी और उसके छोटे भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आरोपी पहले से घर के पास मौजूद थे। उउळश कैमरा तोड़ने के बाद आरोपियों ने मृतक के पिता के कमरे को बाहर से बंद किया और आयुष के कमरे में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

7 राज्यों तक पहुंची जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी रामगोपाल गर्ग खुद मौके पर पहुंचे थे और रेंज स्तरीय टीम गठित की गई थी। जांच के लिए पुलिस टीमों ने गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में दबिश दी। 200 से अधिक उउळश फुटेज खंगाले गए और तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए।

ऑपरेशन हंट बना टर्निंग पॉइंट

प्रशिक्षण से लौटने के बाद एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने द्यऑपरेशन हंटद्ध शुरू किया। जांच में पता चला कि आरोपी भूषण बघेल के पास पहले अवैध हथियार देखा गया था और मृतक से पुराने आर्थिक विवाद थे। भूषण ने कबूला कि उधारी के पैसे और आयुष की बढ़ती आर्थिक स्थिति से जलन के कारण हत्या की गई।

आईजी रामगोपाल गर्ग ने पूरी टीम को शाबाशी देते हुए इनाम की घोषणा की है। इस खुलासे में प्रभारी एसपी निवेदिता पाल, एएसपी उमेश कुमार कश्यप, उदयन बेहार, साइबर थाना, बिर्रा, बम्हनीडीह, मुलमुला पुलिस व रेंज साइबर सेल की भूमिका सराहनीय रही।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100